गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

सिर्फ सच के साथ...

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

वर्ष : 02 अंक : 8 गोरखपुर रविवार 11 अगस्त 2024 पृष्ठ : 8 मूल्य 02 रूपया

प्रधानमंत्री मोदी बोले- भूस्खलन से टूटे हजारों परिवारों के सपने, यह बड़ी आपदा है

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज केरल के वायनाड के दौरे पर हैं। प्रधानमंत्री भूस्खलन प्रभावित वायनाड में हालात का जायजा लिया। प्रधानमंत्री ने भूस्खलन प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वे भी किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब घटना हुई तो सुबह मैंने सीएम पिनाराई विजयन से बात की और उन्हें आश्वासन दिया कि हम सहायता प्रदान करेंगे। जितनी जल्दी हो सके घटनास्थल पर पहुंचने का प्रयास करेंगे। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, पुलिस , डॉक्टर और सभी ने पीड़ितों की जल्द से जल्द मदद करने की कोशिश की। मैं मृतकों के परिवारों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि वे अकेले नहीं हैं। हम सभी उनके साथ खड़े हैं। केंद्र सरकार केरल सरकार के साथ खड़ी है। हम सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी काम बजट की कमी के कारण रुके नहीं।

वायनाड दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अफसरों के साथ बैठक की। बैठक में प्रधानमंत्री ने कहा कि जब से मुझे घटना के बारे में जानकारी मिली है, तब से मैं भूस्खलन के बारे में लगातार अपडेट ले रहा हूं। केंद्र सरकार ने सभी एजेंसियों को आपदा में मदद करने के लिए लगाया। यह बहुत बड़ी आपदा है। यह सामान्य घटना नहीं है। भूस्खलन में हजारों परिवारों के सपने टूट गए। उन्होंने कहा कि मैंने राहत शिविरों में पीड़ितों से मुलाकात की और अस्पताल में घायल मरीजों से भी मुलाकात की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वायनाड दौरे पर अस्पताल पहुंचकर भूस्खलन पीड़ितों से बात की। उन्होंने अस्पताल में मिल रहे इलाज को लेकर जानकारी ली।

केरल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वायनाड भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र के अफसरों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने बचाव कार्य के बारे में जानकारी ली। साथ ही आगे की रणनीति जानी। बैठक में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और केंद्रीय

मंत्री सुरेश गोपी भी मौजूद हैं। केरल के वायनाड दौरे पर पीएम मोदी ने भूस्खलन पीड़ितों से मुलाकात की। प्रधानमंत्री शरणार्थी कैंपों में पहुंचे और पीड़ितों से मुलाकात की और उनकी व्यथा सुनी। प्रधानमंत्री ने पीड़ितों को ढांढस बंधाया और उन्हें कहा कि सरकार उनके साथ है।

श्रीराम दरबार की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा करेंगे सीएम योगी, मिल्कीपुर में जनसभा को करेंगे संबोधित

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अब से कुछ ही देर में अयोध्या के मिल्कीपुर में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर आने वाले समय में उपचुनाव होना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या दौरे पर हैं। यहां पर वो श्रीराम दरबार की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा और स्वामी मधुसूदनाचार्य जी महाराज व स्वामी माधवाचार्य जी महाराज की मूर्तियों का अनावरण करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर एयरपोर्ट से राजकीय वायुयान से महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट अयोध्या पहुंचे। यहां से अयोध्या विद्यापीठ कॉलेज की तरफ जाएंगे। मिल्कीपुर में जनसभा के लिए बड़ी संख्या मे लोग आए हुए हैं। बारिश के चलते कार्यक्रम स्थल मार्ग पर कीचड़ हो गया। लोगों को लंबी दूरी पैदल तय कर कार्यक्रम स्थल पर आना पड़ रहा है। पार्किंग काफी दूर होने से लोगों को परेशानी हो रही है।

मॉडल टाउन इलाके में भरभराकर गिरी इमारत, कई लोगों के फंसे होने की आशंका

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के मॉडल टाउन इलाके में एक इमारत के भरभराकर गिरने की खबर है। इलाके के महेंद्रू एन्क्लेव में एक इमारत अचानक गिर गई, जिसमें कई लोगों के फंसने की आशंका व्यक्त की जा रही है। दिल्ली फायर सर्विस ने बताया कि बचावकर्मी मौके पर पहुंच चुके हैं और लोगों को रेस्क्यू करने में जुट गए हैं।

उत्तरी–पश्चिमी जिला के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मॉडल टाउन थाना क्षेत्र में दो मंजिला मकान ढहने से तीन लोग दब गए। इसकी सूचना तुरंत दमकल विभाग को दी गई।

मौके पर पहुंची पुलिस व दमकलकर्मियों ने लोगों को मलबे से निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया। उन्होंने बताया कि यह घटना

महेंद्रू एन्क्लेव में हुई, जहां पुराने मकान की मरम्मत की जा रही थी, तभी आज दोपहर करीब 2रू45 बजे मकान ढह गया। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि मकान ढहने की सूचना दोपहर तीन बजे मिली और बचाव अभियान के लिए दमकल की तीन गाड़ियां भेजी गईं। स्थानीय पुलिस और बचाव दल के अन्य सदस्यों की मदद से मलबे से तीन लोगों को निकाला गया और उन्हें नजदीकी अस्पताल भेजा गया। जहां दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। मलबा हटाने का काम जारी है। मलबे में अभी कुछ और लोगों के फंसे होने की आशंका है।

हिमाचल में बादल फटने से तबाही

शिमला। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू, मंडी और शिमला जिलों में 31 जुलाई की रात बादल फटने से आई बाढ़ में अभी भी 55 लोग लापता है। शुक्रवार को शिमला ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के तहत दोघरी क्षेत्र में चार और रामपुर उपमंडल के नोगली में एक शव मिला है। अब तक 26 शव बरामद हो चुके हैं। वहीं, लापता लोगों की तलाश के लिए शिमला पुलिस ने शनिवार को समेज गांव से लेकर सतलुज नदी के किनारे सुन्नी क्षेत्र तक विभिन्न स्थानों पर तलाशी और बचाव अभियान जारी रखा।

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) के आंकड़ों के अनुसार, 1 अगस्त से 55 लोग लापता हैं, जिनमें शिमला और कुल्लू जिलों के समेज और बागीपुल क्षेत्र के 33 लोग शामिल हैं।

हिमाचल में 128 सड़कें बंद हैं

इसके अलावा, राज्य में 128 सड़कें बंद हैं, साथ ही 44 बिजली योजनाएं और 67 जल योजनाएं बाधित हुई हैं। भारतीय मौसम विभाग ने भारी बारिश की भविष्यवाणी की है और अगले 24 घंटों के लिए राज्य में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

इससे पहले, 9 अगस्त को, राज्य में हाल ही में हुई भारी बारिश और बाढ़ की स्थिति के कारण 1,000 करोड़ रुपये का विनाशकारी नुकसान हुआ है। शुक्रवार को जारी एक सरकारी विज्ञप्ति में कहा गया कि सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य (आईपीएच), लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) तथा राज्य के सड़क ढांचे के लिए 900 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

आपदाओं के लिए सभी जिलों में हाई अलर्टराज्य सरकार ने सितंबर तक बारिश तथा संभावित प्राकृतिक आपदाओं के लिए सभी जिलों को हाई अलर्ट पर रखा है। बचाव एवं तलाशी अभियान जारी रहने के बीच मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने केंद्र सरकार से तत्काल सहायता न मिलने पर चिंता व्यक्त की है, हालांकि भविष्य में मदद का आश्वासन दिया गया है।

आपदा के भावनात्मक प्रभाव को दर्शाते हुए एक बयान में मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा...

बचाव एवं तलाशी अभियान जारी रहेगा, खोए हुए लोगों की तलाश जारी है, उनका पता जल्द से जल्द लगाया जा सके, इसके लिए हम अभियान जारी रखेंगे। अभी भी 33 लोग लापता हैं।

सितंबर तक सरकार के हाई अलर्ट पर रहने के साथ ही मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि अधिकारी तथा डिप्टी कमिश्नर स्थिति को संभालने के लिए रोजाना बैठकें कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने पिछली सरकार की ढीली नीतियों, खासकर बड़े होटलों द्वारा पानी के उपयोग के संबंध में आलोचना की।

योगी राज में 5.11 करोड़ से अधिक गरीबों और जरूरतमंदों का बना आयुष्मान कार्ड, देश में यूपी अव्वल

लखनऊ। मोदी सरकार की आयुष्मान भारत योजना का लाभ गरीब और जरूरतमंदों को देने में उत्तर प्रदेश की योगी सरकार का कोई सानी नहीं है। पूरे देश में उत्तर प्रदेश ही ऐसा राज्य है, जहां सबसे ज्यादा आयुष्मान कार्ड धारक हैं। प्रदेश की गरीब जनता और जरूरतमंद को योजना का लाभ देने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार 5 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाकर पूरे देश में नंबर वन है। यह उपलब्धि प्रदेश के पास विगत कई वर्षों से है। वहीं सीएम योगी की पहल पर प्रदेश में कार्ड धारक मरीजों को गंभीर से गंभीर बीमारी में आसानी से इलाज मिल रहा है। उन्हे यह इलाज बड़े–बड़े कॉर्पोरेट मेडिकल संस्थानों में विशेषज्ञ डॉक्टर्स द्वारा मुहैया कराया जा रहा है। अब तक 25 सौ करोड़ से अधिक की धनराशि गंभीर बीमारी वाले 6 लाख से अधिक मरीजों के इलाज में खर्च की जा चुकी है। इतना ही नहीं दूसरे प्रदेश के आयुष्मान कार्ड धारक भी प्रदेश की बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ ले रहे हैं। कॉरपोरेट अस्पतालों में भी आयुष्मान कार्ड धारकों को मिल रहा इलाज

प्रमुख सचिव चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण पार्थ सारथी सेन शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप गरीब जनता को आयुष्मान भारत का लाभ देने के लिए युद्धस्तर पर आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। इसी का नतीजा है कि प्रदेश [illegible] बकि 647 आयुष्मान कार्ड धारक है। जिन्हे प्रदेश के 5,669 अस्पतालों द्वारा इलाज मुहैया कराया जा रहा है। इनमें 2948 सरकारी और 2721 प्राइवेट अस्पताल शामिल हैं। इतना ही नहीं प्रदेश के कॉरपोरेट अस्पतालों में भी कार्ड धारकों को इलाज मिल रहा है। इसमें अपोलो, मेदांता, यशोदा, रिजेंसी, टेंडर पॉम जैस बड़े कॉर्पोरेट अस्पताल शामिल हैं। योजना के तहत अब तक 45,19,375 मरीजों के इलाज में 7040 करोड़ रुपये खर्च किये जा चुके हैं। प्रमुख सचिव ने बताया कि उत्तर प्रदेश कार्ड बनाने के मामले में विगत कई वर्षों से पूरे देश में

दूसरे स्थान पर मध्य प्रदेश है, जहां 4 करोड़ 3 लाख कार्ड बनाए गए हैं। वहीं तीसरे स्थान पर बिहार है, जहां 3 करोड़ 26 लाख कार्ड बनाए गए हैं।

दूसरे राज्यों के एक लाख से अधिक कार्ड धारक मरीजों ने यूपी में कराया इलाज

साचीज की सीईओ संगीता सिंह ने बताया कि आयुष्मान कार्ड धारक मरीजों की गंभीर से गंभीर बीमारी का भी आसानी से इलाज किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अब तक 2,557 करोड़ से टर्शियरी केयर के तहत 6,98,831 मरीजों को इलाज उपलब्ध कराया गया है। इसमें 66,513 हृदय रोगियों का इलाज किया गया। इनके इलाज में 684 करोड़ रुपये खर्च किये गये। वहीं दूसरे राज्य के 1,79,141 मरीजों ने प्रदेश की बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया। इनके इलाज में 491 करोड़ रुपये खर्च किये गये जबकि प्रदेश के बाहर रहने वाले 3,05,264 प्रदेशवासी मरीजों ने दूसरे प्रदेश में इलाज कराया। इनके इलाज में 821 करोड़ रुपये खर्च किये गये।

समग्र शिक्षा के अन्तर्गत विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

लखनऊ(संवाददाता)। आज बप्पा श्री नारायण वोकेशनल इण्टर कालेज, लखनऊ में समग्र शिक्षा के अन्तर्गत विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें जूनियर एवं सीनियर वर्ग के विभिन्न कक्षाओं के छात्रों ने प्रतिभाग किया। प्रदर्शनी प्रातः 10.00 बजे से शुरू हुई जो सभी अभिभावकों एवं छात्रों के लिए खुली थी। इस प्रदर्शनी में मुख्य अतिथि टी०एन० मिश्र अध्यक्ष बी०एस०एन०वी इन्स्टीट्यूट, लखनऊ के०एम० मिश्र प्रबन्धक बी०एस०एन०वी इन्स्टीट्यूट लखनऊ, प्रो० संजय मिश्र प्रधानाचार्य बी०एस०एन०वी स्नातकोत्तर महाविद्यालय लखनऊ विशेष अतिथि थे। प्रदर्शनी के उद्घाटन के अवसर पर प्रधानाचार्य श्री अनुराग दीक्षित ने घोषणा की कि सर्वश्रेष्ठ तीन प्रोजेक्ट,माडलों के पुरस्कृत किया जायेगा। निर्णायक मण्डल में प्रो० संजय मिश्र प्रधानाचार्य बी०एस०एन०वी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, उशोषी घोष प्रधानाचार्या ए०पी० सेन गर्ल्स इण्टर कालेज लखनऊ, ज्योति तिवारी, दिव्या तिवारी, अपर्णा सान्याल एवं कीर्ति वर्मा थे। प्रदर्शनी शुरू होते ही विभिन्न छात्रों ने अपने–अपने प्रोजेक्ट प्रस्तुत किये। छात्रों द्वारा रेड डाटा बुक, डी.एन.ए. मॉडल, वाटर राकेट, टेस्ला कॉयल, ग्रीन हाउस, हाइड्रोपोनिक, एरोपोनिक, हाइड्रॉलिक हैन्ड ड्रोन, वाटर टैंक अलार्म, वाटर फिल्टर, लेजर लाइट, ह्यूमन हार्ट आदि पर मॉडल पर प्रस्तुत किए गए। अभिभावकों ने भी छात्र द्वारा लगाये गए विभिन्न माडलों को देखा। छात्र ने अपने कार्यशील माडलों की अवधारणाओं को समझाने में सभी की मदद करने के लिए दृश्य प्रस्तुतियाँ भी आयोजित की। निर्णायक मण्डल द्वारा इन सभी का मूल्यांकन किया गया। इस प्रदर्शनी में उप प्रधानाचार्य उमाकान्त बाजपेई, विज्ञान समिति की प्रभारी प्रमिला रावत एवं समिति के सभी सदस्यों डा० रिंकी वर्मा, विनय कुमार बाजपेई, सौरभ पाण्डेय, विनोद कुमार सिंह, विकास बाजपेई, प्रशांत दीक्षित एवं अवंतिका यादव का पूर्ण योगदान रहा।

त्वरित आर्थिक विकास योजना, बागपत एवं कानपुर नगर में सड़क निर्माण के ०८ कार्यों हेतु १६७.७४ लाख मंजूर

लखनऊ(संवाददाता)। प्रदेश सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष 2024–25 में त्वरित आर्थिक विकास योजना के अन्तर्गत बागपत एवं कानपुर नगर में सड़क निर्माण से सम्बन्धित 08 विभिन्न कार्यों के लिए 167.74 लाख रूपये मंजूर किये हैं। मंजूर की गयी धनराशि सम्बन्धित जनपदों के जिलाधिकारी के निवर्तन पर रखी गयी है।नियोजन विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिये हैं। बागपत में बड़ौत कोताना मार्ग, मेरठ–बागपत रोड, बड़ौत हिलवाडी मार्ग, ग्राम रुस्तमपुर में कवरपाल, ग्राम अलावलपुर गेट नहर की पटरी से रेलवे लाइन अण्डरपास तक तथा ग्राम बाघू में बाईपास तक सड़क निर्माण से सम्बन्धित कार्यो के अन्तर्गत काली डामर सड़क निर्माण एवं इन्टरलॉकिंग टाइल्स एवं नाली निर्माण कार्य हेतु 120.45 लाख रूपये मंजूर किये गये हैं। बागपत में विधानसभा क्षेत्र–बिठूर के विकास खण्ड बिधनू में कोरिया–गुरूकुल स्कूल से श्रावणपुरवा तक इण्टालॉकिंग कार्य तथा विधानसभा क्षेत्र–महाराजपुर में मडीलवा नर्बल मेन रोड से प्राइमरी पाठशाला होते हुए राम सहाय उत्तम के घर तक इण्टरलॉकिंग कार्य हेतु 47.29 लाख रूपये मंजूर किये गये हैं।

नंद बाबा पुरस्कार हेतु 57.656 लाख स्वीकृत

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश में दुग्ध विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत भारतीय गोवंश की गाय के दूध में वृद्धि करने हेतु कृषकों को प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए 'नन्द बाबा पुरस्कार' प्रदान करने हेतु वर्तमान वित्तीय वर्ष में 57.656 लाख रूपये की धनराशि को स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस संबंध में दुग्ध विकास विभाग द्वारा शासनादेश जारी करते हुए दुग्ध आयुक्तदुग्धशाला विकास को दिशा–निर्देश दे दिये गए हैं। भारतीय गोवंश की गाय के सर्वाधिक दुग्ध उत्पादन करने वाले एक दुग्ध उत्पादक को, जो दुग्ध ा विकास विभाग के अधीन कार्यरत दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ के अन्तर्गत गठित दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति का सदस्य हो तथा समिति के माध्यम से दुग्ध संघ को वर्ष में कम से कम 1500 ली दूध का विक्रय किया हो, को विभिन्न स्तर पर गठित चयन समितियों द्वारा की गई संस्तुतियों के आधार पर नन्द बाबा पुरस्कार के रूप में विकास खण्ड जनपद राज्य स्तर पर क्रमशः 5100 रूपये, 21000 एवं रुपये 51000 रूपये की दर से धनराशि तथा पीतल धातु पर एक शील्ड, जिस पर भारतीय गोवंश की गाय एवं बछड़े के साथ नन्द बाबा की मूर्ति, प्रमाण–पत्र के साथ वितरित किया जाता है।

लूट के इरादे में नाकाम दबंगों ने व्यापारी के बेटे को दांतो से काटा, मांस निकाला

लखनऊ (संवाददाता)। हुसैनगंज थाना अंतर्गत लूटपाट के इरादे से नाकाम दबंगों ने गल्ला कारोबारी के बेटे को दांतों से काटा उसका मांस निकाल लिया। संघर्ष करने पर आरोपित उससे मारपीट करने लगे। हालांकि, भीड़ जुटने पर आरोपित पीड़ित को धमकी देते हुए वहां से रफुचक्कर हो गए। इसके बाद पीड़ित ने आरोपितों के खिलाफ सम्बन्धित थाने में लिखित शिकायत देते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस आरोपितों की तलाश में जुटी है। प्रभारी निरीक्षक के मुताबिक, क्षेत्र में लक्ष्मी साहू की सरकारी गल्ले की दुकान है। दुकान पर बेटा शेखर और बेटी रीता बतौर सहायक के रुप में काम करते हैं। लिखित शिकायत में शेखर साहू ने बताया कि रविवार शाम तकरीबन साढ़े पांच बजे बहन रीता के साथ सरकारी राशन बांट रहा था, तभी हाता ख्वाजा गौहर निवासी इमरान अहमद और मोज्जम उनकी दुकान पर पहुंचे और लूटपाट करने लगे। कार्डधारकों के शोर मचाने पर आरोपित अभद्रता पर उतारु हो गए। आरोप है कि इस बीच दबंगों ने शेखर पर हमला कर दिया, वह उसे लात घूंसों से पीटने लगे।तभी आरोपित दुकान में रखी गुल्लक से रुपया निकालने की कोशिश करने लगे, जिस पर शेखर ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तब आरोपितों ने उसके सीने पर दांतों से काट मांस निकाल लिया। पीड़ित ने बताया कि सीने पर जख्म होने की वजह से संक्रमण की स्थिति बन गई है। आरोप है कि दोनों युवक दुकान पर राशन लेने आई महिलाओं व युवतियों पर फब्तियां कसते थे, मना किए जाने पर वह उससे रंजिश रखने लगे। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तहरीर के आधार पर युवकों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर उनकी तलाश की जा रही है।

पसंदीदा पर्यटन स्थलों के बारे में दीजिए राय : जयवीर

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा है कि, 'पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने "देखो अपना देश पीपल्स चॉइस 2024" नामक राष्ट्रव्यापी पहल शुरू की है। इसके तहत देश–प्रदेश के पर्यटन स्थलों के बारे में ऑनलाइन आप भी अपनी राय दे सकते हैं। प्रतिभागी सर्टिफिकेट भी डाउनलोड कर सकेंगे। इसकी अंतिम तिथि 15 सितंबर निर्धारित की गई है पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने देते हुए बताया कि इस पहल का उद्देश्य विभिन्न श्रेणियों आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, विरासत, प्रकृति और वन्यजीव, साहसिक कार्यकलाप व अन्य में सर्वश्रेष्ठ पर्यटक स्थलों के सबंध में आम लोगों की राय जानना है, ताकि उन्हें विश्व स्तरीय पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित किया जा सके। 'पर्यटकों की पसंद जानने से मिशन मोड में विकास के लिए आकर्षण और गन्तव्य की पहचान करने में मदद मिलेगी। यह विकसित भारत–2047 की दिशा में भारत की स्वर्णिम यात्रा में योगदान देगी। इच्छुक प्रतिभागी अपने पसंदीदा टूरिस्ट आकर्षण के पांच निर्धारित श्रेणियों आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और विरासत, प्रकृति और वन्यजीव, साहसिक कार्यकलाप और अन्य में राय दे सकते हैं, जो प्राथमिकताओं के अनुरूप हैं। प्रतिभागियों के लिए यह अनिवार्य है कि वे पांच श्रेणियों में से किसी एक से कम से कम एक आकर्षण का केन्द्र चुनें, जिसे वे पहले ही देख चुके हैं और कम से कम एक आकर्षण चुनें, जिसे वे भविष्य में देखना चाहते हैं।'पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने बताया कि केंद्रीय 'पर्यटन मंत्रालय के नियमों के अनुसार सर्वे में वह सभी लोग हिस्सा ले सकते हैं, जो भारत या किसी अन्य देश में रह रहे हैं। देश में रहने वाले प्रतिभागियों के पास भारतीय मोबाइल नंबर होना अनिवार्य है। भारत से बाहर रहने वाले प्रतिभागियों के पास एक ईमेल आईडी होनी चाहिए।' सबसे ज्यादा वोट मिलने के आधार पर मनपसन्द आकर्षण स्थल तय किए जाएंगे। मंत्रालय के पास अपने विवेक से विजेता को चुनने और उसे पुरस्कार देने का अंतिम अधिकार सुरक्षित होगा।

दयाशंकर सिंह ने अस्पताल में भर्ती बच्चों से स्वास्थ्य की जानकारी ली

लखनऊ(संवाददाता)। परिवहन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार एवं देवरिया के प्रभारी मंत्री दयाशंकर सिंह आज जिलाधिकारी दिव्या मित्तल के साथ राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय, मेहरौना में हुई फूड प्वॉइजनिंग की घटना से प्रभावित छात्रों का कुशलक्षेम जानने महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज पहुंचे। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ राजेश बरनवाल ने प्रभारी मंत्री को चिकित्सारत बच्चों के स्वास्थ्य के विषय में जानकारी दी।श्री सिंह ने बच्चों तथा उनके अभिभावकों से सीधा संवाद कर मिल रही चिकित्सीय सुविधा के बारे में जानकारी प्राप्त की। जिस पर सभी लोगों ने संतोष जताया। बच्चों तथा अभिभावकों को हर संभव सहयोग के लिए आश्वस्त भी किया।

अकासा एयर ने किया अपने वाणिज्यिक परिचालन का दूसरा साल सफलतापूर्वक पूरा

1.1 करोड़ यात्रियों को सेवा प्रदान करने के साथ, एयरलाइन इस दशक के अंत तक दुनिया की शीर्ष 30 एयरलाइंस में से एक बनने की राह पर है अग्रसर

लखनऊ (संवाददाता)। भारत की सबसे तेजी से विकसित होती एयरलाइन, अकासा एयर आज अपनी दूसरी वर्षगांठ मना रही है, जो एविएशन इतिहास में किसी भी भारतीय एयरलाइन द्वारा असाधारण उपलब्धियों को हासिल करने की असाधारण यात्रा को प्रदर्शित करती है। अकासा एयर ने मुंबई से अहमदाबाद के बीच अपनी पहली वाणिज्यिक उड़ान का संचालन किया था, जिसने अपनी सहानुभूति पूर्ण सेवा संस्कृति, भरोसेमंद परिचालन और किफायती किराये के जरिये एक भारतीय एयरलाइन के प्रतिनिधित्व को फिर से परिभाषित किया है। अकासा एयर निरंतर भारत की सबसे अधिक समय पर उड़ान भरने वाली एरयलाइन बनी हुई है। बेहद सकारात्मक ग्राहक प्रतिक्रिया के साथ इसकी परिचालन दक्षता ने इसे अपनी शुरुआत के बाद से भारत में 1.1 करोड़ से अधिक यात्रियों की पसंदीदा एयरलाइन बना दिया है। लोगों, संस्कृतियों और क्षेत्रों को जोड़कर हवाई यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करने के अपने प्रयासों के अनुरूप, अकासा एयर ने तीन अंकों में वृद्धि हासिल की है और वैश्विक एविएशन इतिहास में सबसे तेजी से बढ़ने वाली एयरलाइन बनी हुई है। इस उपलब्धि का जश्न मनाते हुए, विनय दुबे, संस्थापक और सीईओ, अकासा एयर ने कहा, "दो साल पहले, हमने हवाई यात्रा को नए सिरे से परिभाषित करने के उद्देश्य से अपनी यात्रा शुरू की थी, और आज, मैं गर्व से कह सकता हूं कि हमने विश्वसनीयता, सेवा उत्कृष्टता और किफायत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को कायम रखते हुए अपने लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल किया है। हम भारतीय आसमान में सबसे आरामदायक सीट, तरोताजा इन–केबिन अनुभव और विनम्र क्रू सदस्यों द्वारा प्रदान की जाने वाली अपनी सावधानी से बनाए गए व्यंजनों के साथ एक बेजोड़ उड़ान अनुभव की पेशकश करते हैं। पिछले दो वर्षों में, उच्चतम परिचालन विश्वसनीयता और सबसे कम ग्राहक शिकायतों और रद्दीकरण के साथ हम भारत में ऑन–टाइम परफॉर्मेंस में निरंतर अग्रणी बने हुए हैं।इन उपलब्धियों को हासिल करने में 4000 से अधिक अकासा कर्मचारियों के समर्पण का महत्वपूर्ण योगदान रहा है, जिनकी कड़ी मेहनत और जुनून हमारी सामूहिक उपलब्धियों के लिए एक प्रेरक शक्ति रहा है। हमारी सफलता हमारे भागीदारों के अटूट समर्थन और भरोसे का भी प्रत्यक्ष परिणाम है, जिन्होंने हमारी योजनाओं में हमारा पूरा समर्थन किया है। उद्योग के विकास को बढ़ावा देने के लिए हम नागरिक उड्डयन मंत्रालय और डीजीसीए के भरपूर समर्थन के लिए बेहद आभारी हैं। हमारे सपने पर अपना भरोसा जताने और निरंतर समर्थन एवं मार्गदर्शन के लिए हम अपने शेयरधारकों के आभारी हैं और हम भविष्य और आने वाले अवसरों को लेकर उत्साहित हैं और भारत को गौरवान्वित करने वाली एयरलाइन बनाने की अपनी यात्रा जारी रखेंगे। विनय ने आगे कहा, "अकासा एयर एक स्थान से दूसरे स्थान तक उड़ान भरने वाली एयरलाइन से बढ़कर है। यह भारतीय भावना का मूर्त रूप है, जो एविएशन मार्केट में भारत की क्षमता का एक प्रमाण है। अकासा एयर ऑन–टाइम परफॉर्मेंस में एक लीडर के तौर पर उभरी है, जो सबसे भरोसेमंद एयरलाइन बनने की इसकी प्रतिबद्धता को साबित करती है। सेवा उत्कृष्टता और परिचालन दक्षता के प्रति इसके समर्पण ने असाधारण परिणाम दिए हैं, जो इसकी मजबूत शेड्यूलिंग और मेंटेनेंस प्रथाओं द्वारा समर्थित समय की पाबंदी और निर्बाध यात्रा के प्रति इसकी मजबूत प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। अकासा एयर वर्तमान में 22 घरेलू और 5 अंतरराष्ट्रीय शहरों, मुंबई, अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, कोच्चि, दिल्ली, गुवाहाटी, अगरतला, पुणे, लखनऊ, गोवा, हैदराबाद, वाराणसी, बागडोगरा, भुवनेश्वर, कोलकाता, पोर्ट ब्लेयर, अयोध्या, ग्वालियर, श्रीनगर, प्रयागराज, गोरखपुर, दोहा (कतर), जेद्दाह, रियाद (किंगडम ऑफ सउदी अरब), अबूधाबी (यूएई) और कुवैत, के लिए उड़ानों का परिचालन कर रही है। एयरलाइन अब सभी 22 घरेलू और 5 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए 900 से अधिक साप्ताहिक उड़ानों का परिचालन कर रही है, जिसने दो साल की छोटी सी अवधि में 1.1 करोड़ से ज्यादा यात्रियों को सेवा प्रदान करने की उपलब्धि हासिल की है।अकासा एयर जनवरी, 2024 में, 150 विमानों का पक्का ऑर्डर देकर, नागरिक उड्डयन के इतिहास में परिचालन शुरू करने के 17 महीनों के भीतर इतनी अधिक संख्या में विमानों के लिए पक्का ऑर्डर देने वाली एकमात्र भारतीय एयरलाइन बन गई। यह ऐतिहासिक विमान ऑर्डर एयरलाइन की महत्वाकांक्षी योजनाओं को मजबूती प्रदान करता है और इसकी ठोस वित्तीय नींव को प्रदर्शित करता है। मार्च 2024 में, अकासा एयर 19 महीने की रिकॉर्ड अविध में अंतरराष्ट्रीय उड़ान भरने वाली पहली भारतीय एयरलाइन बनी। तब से, अकासा एयर ने तेजी से अपनी अंतरराष्ट्रीय पहुंच को बढ़ाया है और अंतरराष्ट्रीय उड़ान शुरू करने के केवल 120 दिनों के भीतर दोहा, रियाद, अबू धाबी, जेद्दाह और कुवैत सहित पांच गंतव्यों के लिए 35 से ज्ध्यादा साप्ताहिक अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का परिचालन शुरू किया है।अकासा एयर के सहानुभूतिपूर्ण और युवा व्यक्तित्व, कर्मचारी–अनुकूल संस्कृति, ग्राहक सेवा दर्शन और तकनीक आधारित दृष्टिकोण ने इसे लाखों ग्राहकों की पसंदीदा एयरलाइन बना दिया है। अपनी शुरुआत के बाद से, अकासा एयर ने अपनी कई इंडस्ट्री–फर्स्ट और ग्राहक अनुकूल पेशकशों के साथ भारत में हवाई यात्रा को नए सिरे से परिभाषित किया है। एक अद्वितीय उड़ान अनुभव प्रदान करने के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, अकासा एयर ने कई पहलों की शुरुआत की है। एयरलाइन की ऑनबोर्ड मील सर्विस कैपै अकासा ने अबतक 3.8 करोड़ लोगों को भोजन परोसा है, जो इंडस्ट्री–फर्स्ट फ्यूजन मील्स, क्षेत्रीय स्वाद के साथ ऐपेटाइजर्स और शानदार डेजर्ट के साथ एक विशिष्ट पाक अनुभव प्रदान करता है। इसकी पेट–फ्रेंडली कैरिज पॉलिसी पेट्स ऑन अकासा को पूरे नेटवर्क में यात्रियों की ओर से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है। ग्राहकों की प्रतिक्रिया को ध्यान में रखते हुए, सेवा में विस्थतार के लिए एयरलाइन ने केबिन में पालतू जानवरों के वजन की सीमा को 7 किलोग्राम की पिछली सीमा से बढ़ाकर 10 किलोग्राम करने का फैसला किया है।

स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण का पांच साल का ब्लू प्रिंट तैयार'

लखनऊ(संवाददाता)। यूपी की स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ बनाने के लिए पांच वर्ष का ब्लू प्रिंट तैयार किया गया है। आज एनेक्सी सभागार में सरकार एवं बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन बीएमजीएफ के मध्य मेमोरेंडम ऑफ को–ऑपरेशन एमओसी का पांच साल विस्तार किया गया। डिप्टी सीएम और फाउंडेशन के पदाधिकारियों के मध्य एमओसी का आदान–प्रदान हुआ।डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रदेश के लोगों को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना हमारी जिम्मेदारी है। प्रदेश सरकार और बीएमजीएफ मिलकर मरीजों के लिए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस हस्ताक्षर समारोह में 11 जून 2024 से 10 जून 2029 तक एमओसी का विस्तारीकरण किया गया। पांच साल के लिए बढ़ाया गया यह अनुबंध प्रदेश सरकार के तय लक्ष्यों और प्राथमिकताओं को प्राप्त करने में सहायक होगा। हमने प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक गणवत्तापरक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने का जो लक्ष्य तय किया है, उस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। प्रदेश में 207 इंसेफेलाइटिस ट्रीटमेंट सेंटर्स ईटीसी की स्थापना की गई है। सिजेरियन डिलीवरी और नवजात शिशुओं की आपातकालीन देखभाल में भी सुधार हुआ है। टेली कंसल्टेशन सेवा ई–संजीवनी एप के माध्यम से पूरे प्रदेश में लागू की गई है। दो करोड़ से अधिक मरीज इस सेवा का लाभ ले चुके हैं। इस वर्ष 85 प्रतिशत बच्चों का पूर्ण टीकाकरण हो चुका है। डिप्टी सीएम ने जानकारी दी कि राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण को सशक्त बनाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। उन्होंने फाउंडेशन को सरकार की मदद करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, प्रमुख सचिव पार्थसारथी सेन शर्मा, सचिव रंजन कुमार, एनएचएम की एमडी पिंकी जोएल, बीएमजीएफ के इंडिया हेड हरि मेनन, विशेष सचिव शिव सहाय अवस्थी,महानिदेशक स्वास्थ्य ब्रजेश राठौर, महानिदेशक परिवार कल्याण नरेंद्र अग्रवाल, बीएमजीएफ निदेशक डॉ. रजनी रंजीत वेद, बीएमजीएफ उप निदेशक डॉ. देवेंद्र उपस्थित रहे। मातृ मृत्यु दर में कमी आई है। जिला स्तर पर दवा गोदामों की स्थापना से आमजन को दवाएं मिलना सुलभ हुआ है। दिमागी बुखार, जापानी इंसेफेलाइटिस लोगों की मृत्यु का कारण नहीं बनता। स्वास्थ्य प्रणाली का डिजिटलीकरण हुआ है। राज्य में 22,473 आयुष्मान आरोग्य मंदिर संचालित हैं। 43 जिलों में 403 ब्लॉकों को कवर करते हुए 204 स्वयं सहायता समूहों के नेतृत्व वाली टेक होम राशन टीएचआर इकाइयां स्थापित की गई हैं। पीएमजेएवाई योजना के तहत राज्यभर में 5506 अस्पतालों को सूचीबद्ध किया गया है।

उत्तर प्रदेश में एससी-एसटी छात्रों की फीस जमा करना अब सरकार की जिम्मेदारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अनुसूचित जाति, जनजाति (एससी–एसटी) के गरीब छात्रों के लिये शिक्षा ग्रहण करने के दौरान फीस जमा करना एक बड़ी समस्या रहती है। यह सही है कि सरकार एससी–एसटी छात्रों को स्कॉलरशिप और अन्य फीस माफी की सुविधाएं प्रदान करती है,लेकिन इसके लिये एक छात्रों को लम्बी सरकारी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है, जिसके चलते कई बच्चे तो समय पर फीस नहीं जमा हो पाने के कारण पढ़ाई तक छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। यह बात सरकारों के संज्ञान में भी रहती है,लेकिन अभी तक इस समस्या का समाधान किसी सरकार ने तलाशना उचित नहीं समझा,परंतु अब योगी सरकार ने गरीब एससी–एसटी छात्रों की इस समस्या को एक झटके में दूर कर दिया है।

नई प्रक्रिया के अनुसार अब यदि उच्च शिक्षा में किसी एससी–एसटी छात्र को निशुल्क प्रवेश मिलता है तो यह उनके लिए एक बड़ी राहत तो होगी आवेदन के समय प्रमाण पत्रों के सत्यापन को लेकर भी उन्हें परेशान नहीं होना होगा। प्रवेश नियमावली में परिवर्तन से गड़बड़ियों का आशंका भी खत्म हो जाने की उम्मीद है। गौरतलब हो, वंचित वर्ग में आने वाले

अनुसूचित जाति और जनजाति के बच्चों के लिए दशमोत्तर कक्षाओं में निःशुल्क प्रवेश की व्यवस्था पहले से ही थी लेकिन अब तक सरकार इसके लिए शुल्क की प्रतिपूर्ति किया करती थी,जिसका मतलब था पहले फीस जमाई करायी जाती थी और बाद में सरकार उसे वापस करती थी। ऐसे में छात्रों के परिवारों के लिए प्रवेश के समय भारी–भरकम फीस की व्यवस्था एक बड़ी समस्या हो जाती थी। गरीब परिवार की सबसे बड़ी चिंता यही होती है कि अपने बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए जरूरी धनराशि कहां से लाएंगे जो नियमावली में बदलाव से दूर हो जाएगी। सरकार ने इस योजना के दायरे में सिर्फ सरकारी व अनुदानित कालेजों को ही शामिल किया है, लेकिन एसटी–एससी वर्ग को इसका वास्तविक लाभ तभी मिल पाएगा जब निजी कालेजों में भी प्रवेश निःशुल्क के लिये उक्त प्रक्रिया अमल में लाई जायेगी। वैसे सरकार इस ओर से भी आंखें मूंदे नहीं बैठी है। बता दें यूपी सरकार अब तक ढाई लाख रूपये तक की सलाना आय वाले अनूसूचित जाति–जनजाति वाले परिवारों के छात्रों को छात्रवृत्ति के साथ शुल्क की प्रतिपूर्ति करती रही है। अब सरकार इनकी फीस की गांरटी स्वंय लेगी और शिक्षा संस्थानों को भुगतान करेगी। इससे एक तो छात्रों को फीस की व्यवस्था करने से राहत मिल जायेगी दूसरे इसमें व्यापक स्तर पर जो गड़बड़ियां सामने आतीं थीं, वह भी दूर हो जायेंगी। कई निजों संस्थाओं ने तो अपने यहां एससी–एसटी के 50 प्रतिशत छात्रों का प्रवेश तक दिखा दिया था और फीस की रकम हड़प गए थे। इससे सबक लेते हुए ही नई व्यवस्था में फ्री शिप कार्ड की व्यवस्था की गई है जो सभी प्रमाणपत्रों के सत्यापन से बनेगा। सरकार को यह जरूर देखना होगा कि शिक्षा संस्थानों के भुगतान में विलंब न हो, वर्ना जिस तरह से आयुष्मान कार्ड का पैसा समय पर नहीं मिलने के कारण प्राइवेट अस्पतालों ने इसके तहत इलाज बंद कर दिया है, वैसे ही प्राइवेट कॉलेज भी एसटी–एससी छात्रों का दाखिला बंद कर दें।

सम्पादकीय
विनिर्माण पर जोर महत्वपूर्ण

21वीं सदी की शुरुआत से ही, सबसे ज़्यादा आबादी वाले एशियाई देशों में से दो, भारत और चीन ने पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं के प्रभुत्व को चुनौती दी है, और सबसे तेज़ विकास देखा है जो अगले पाँच दशकों में भी जारी रहने की संभावना है। 1990 के दशक के दौरान, चीन और भारत क्रमशः 11वीं और 12वीं सबसे बड़ी विश्व अर्थव्यवस्थाएँ थीं, जिनकी जीडीपी समान थी। आज, चीन एक उच्च–मध्यम आय वाला देश है, जबकि भारत एक निम्न–मध्यम आय समूह की अर्थव्यवस्था है। सोवियत संघ के अस्तित्व तक, दोनों एशियाई देशों ने एक अंतर्मुखी आर्थिक नीति अपनाई। औद्योगीकरण और निर्यात द्वारा प्रेरित एशियाई टाइगर्स की विकास कहानी से सीखते हुए, 1978 में, चीन ने ओपन–डोर पॉलिसी अपनाई। इसने विदेशी कंपनियों को विनिर्माण के लिए अपने बड़े, कम और अर्ध–कुशल कार्यबल का लाभ उठाने के लिए चीन में निवेश करने के लिए आकर्षित किया। चीन के पास प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (थ्वत्) को आकर्षित करने के लिए प्रभावशाली औद्योगिक सुविधाएँ भी थीं, जो अत्याधुनिक तकनीक और प्रबंधन प्रथाओं को साथ लेकर आईं, जिससे इसके विनिर्माण को बढ़ावा मिला। 1980 के दशक में चीन ने लगभग 10ः की वार्षिक दर से विकास किया, जिससे उसके 800 मिलियन नागरिक गरीबी से बाहर निकल आए। हालाँकि, 1990 के दशक में विदेशी मुद्रा संकट के कारण भारत को उदारीकरण करने के लिए बाध्य होना पड़ा। उदारीकरण के बाद, भारत ने चीन और वियतनाम के बाद दुनिया की तीसरी सबसे अधिक निर्यात वृद्धि देखी। लेकिन जहाँ चीन के निर्यात में खिलौने और ट्रिंकेट जैसे कम–अंत वाले उत्पाद शामिल थे, वहीं भारत के निर्यात में अत्यधिक कुशल विनिर्माण और इंजीनियरिंग सामान और सॉफ्टवेयर जैसी सेवाएँ शामिल थीं, जिससे अंग्रेजी बोलने वाले, सुशिक्षित भारतीय अल्पसंख्यकों के लिए अवसर पैदा हुए, जबकि भारत की आबादी के बड़े हिस्से के लिए संभावनाएँ सीमित रहीं। भारत के विकास की विशेषता गैर–औद्योगिकीकरण थी। भारत की राजनीतिक स्थिरता, बुनियादी ढाँचे के विकास पर जोर और एक बड़े कार्यबल की उपलब्धता इसे एक आकर्षक निवेश गंतव्य बनाती है। सरकार ने 2014 में एक मजबूत विनिर्माण क्षेत्र स्थापित करने के लिए 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम शुरू किया, निवेश और विकास के बीच समय अंतराल के कारण देश के सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण का योगदान दो दशक के निचले स्तर पर है। भारत ने जो निवेश आकर्षित किया है, वह मुख्य रूप से दूरसंचार, सॉफ्टवेयर, सेवाओं और खुदरा क्षेत्रों में है। निवेश की यह प्रकृति कम कुशल कार्यबल के लिए समावेशी विकास प्राप्त करने के लिए माल विनिर्माण स्थापित करने की 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम की महत्वाकांक्षा के अनुरूप नहीं है। इसके बाद, भारत के 'सबका साथ–सबका विकास' (समावेशी विकास) के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए, भारत सरकार ने आत्मनिर्भर (आत्मनिर्भर) पहल की शुरुआत की। हालाँकि, कॉर्पोरेट भारत नौकरशाही की बाधाओं, अत्यधिक श्रम विनियमों और जटिल करों और शुल्कों से जूझता है जो भारत को अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने से रोकते हैं। 2010 में, चेन्नई के पास 15 मिलियन फोन बनाने वाली नोकिया फैक्ट्री ने 1.5 बिलियन डॉलर के कराधान विवाद के कारण 2014 में अपना संचालन बंद कर दिया। वोडाफोन और केयर्न जैसी एक दर्जन से अधिक प्रमुख कंपनियाँ भी 2014 के दौरान कर विवादों में फंस गईं, जिसके परिणामस्वरूप भारत को वियतनाम, इंडोनेशिया और मैक्सिको जैसी अर्थव्यवस्थाओं में एफडीआई खोना पड़ा। वर्तमान में, शत्रुतापूर्ण चीन प्लस वन रणनीति के साथ, भारत के पास विनिर्माण में एफडीआई आकर्षित करने का अवसर है। इसका लाभ उठाने के लिए, भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखला पारिस्थितिकी तंत्र में एकीकृत होना चाहिए। भारत को अपने विनिर्माण को आगे बढ़ाने के लिए सेवा क्षेत्र के विकास का लाभ उठाना चाहिए। पिछले तीन दशकों में, भारत के विनिर्माण क्षेत्र ने सालाना सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 15ः का योगदान दिया, व्यापारिक निर्यात ने सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 12ः का योगदान दिया, और विश्व व्यापारिक निर्यात में इसका हिस्सा 2ः से कम था। इसी अवधि के दौरान, चीन के विनिर्माण क्षेत्र ने सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 30ः का योगदान दिया, इसके व्यापारिक निर्यात ने इसके सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 20ः जोड़ा, और दुनिया में व्यापारिक निर्यात में इसका हिस्सा लगभग 14ः था। चीन का उच्च व्यापारिक निर्यात योगदान बुनियादी ढांचे के निवेश से संभव हुआ, जिसने इसे वैश्विक विनिर्माण केंद्र में बदल दिया। भारत को भी बुनियादी ढांचे में बड़े पैमाने पर निवेश और एक मजबूत नीति ढांचे की आवश्यकता है। चीन ने अपने कार्यबल को प्रभावी रूप से कुशल बनाया, लेकिन अपनी बढ़ती मजदूरी दर और वृद्ध होती आबादी के साथ, यह इतिहास का पहला ऐसा देश हो सकता है जो अमीर होने से पहले बूढ़ा हो गया। 1. 7 बिलियन की आबादी वाले भारत में एक विशाल युवा कार्यबल है, जिसके 65ः नागरिक 35 वर्ष से कम आयु के हैं। भारत के पास चीन को पीछे छोड़ने और दुनिया का सबसे बड़ा देश बनने के लिए तीन दशक का समय है। बैन एंड कंपनी के अनुसार, अगले दशक में, लगभग 500 मिलियन भारतीय मध्यम–आय वर्ग में शामिल हो सकते हैं। बढ़ते मध्यम वर्ग के साथ, भारत की मांग और क्रय शक्ति बढ़ेगी। चीन की वृद्ध होती आबादी द्वारा बनाए गए अंतर को भारत द्वारा भरा जाएगा। जनसांख्यिकीय लाभांश का दोहन करने के लिए, भारत को अपने कारोबारी माहौल में सुधार करना चाहिए – कार्यबल की गुणवत्ता, बुनियादी ढाँचा और रसद। 2016 में, भारत ने बड़े पैमाने पर बैंकिंग क्षेत्र में सुधार किए और 2016 में श्रम संहिता पेश की। 9; राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 और 2021 में उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना। लेकिन इनका क्रियान्वयन ही भारत की विकास गाथा को आकार देगा। भारत को नौकरशाही की देरी, न्यायिक अधिभार और भ्रष्टाचार से संबंधित मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर हल करना चाहिए।

महज सौ ग्राम वज़न ने छीना विनेश से पदक

रोहित महाजन

बीते जमाने में पहलवान अपनी गर्दन में पत्थर का भारी कड़ा (रिंग) पहनकर दंड–बैठकें लगाया करते थे, किंतु विनेश फोगाट के गले पड़े नियम रूपी कड़े का वजन बेशक 100 ग्राम था, लेकिन उसकी उम्मीदों को ले डूबा। बुधवार की सुबह विनेश फोगाट को महिला कुश्ती की 50 किलो फ्रीस्टाइल श्रेणी में वजन 100 ग्राम अधिक पाए जाने के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया। फाइनल में भिड़ंत अमेरिकी की साराह हाईबैंटेड से होनी थी और जीतने पर स्वर्ण पदक मिल सकता था, लेकिन यह अवसर हाथ से जाता रहा। विनेश को अयोग्य घोषित किए जाने में हद दर्जे की खराब व्यावसायिक कारगुजारी प्रतीत हो रही है और उसका मामला कुश्ती जगत में चर्चा का विषय बन गया, ओलंपिक के फाइनल में ऐसा पहले कभी हुआ हो, याद नहीं पड़ता। मुकाबले के पहले दिन यानी मंगलवार को वह अपना वज़न तयशुदा सीमा के भीतर बनाने में सफल रही लेकिन बुधवार को ऐसा नहीं कर पाई। 2016 और 2021 के ओलंपिक की भांति इस बार भी विनेश सबसे सम्माननीय खेलकुंभ में पदक हासिल करने का अपना सपना पूरा नहीं कर पाई। स्वर्ण पदक मुकाबले वाले दिन की सुबह, जब विनेश का वज़न 100 ग्राम अधिक पाया गया तो इससे बच निकलने का जरा भी रास्ता न था क्योंकि नियमों के मुताबिक 10 ग्राम अधिक होने पर भी पहलवान अयोग्य घोषित हो जाता है। वज़न नियमों के प्रति अत्यधिक कड़ाई वाले खेल जैसे कि कुश्ती, बॉक्सिंग, जूडो और ताईक्वांडो में, प्रतिद्वंद्वियों के आकार और भार में समानता एक अनिवार्यता है। वह इसलिए कि दोनों के लिए मौका एक समान हो, यह नहीं कि बड़े से छोटे को भिड़ा दिया जाए। उदाहरणार्थ, 53 किलो भार के पहलवान के मुकाबले 50 किलो वाले को अखाड़े में नहीं उतारा जा सकता, अन्यथा अधिक वज़नी पहलवान को ताकत और पकड़ के मामले में बहुत फायदा मिल जाएगा। खेल अप्रत्याशित हो सकता है और कई बार हल्का दिखने वाला खिलाड़ी ताकत और पकड़ में अपनी कमजोरी पर पार पाते हुए, दांव–पेचों के सहारे अपने से बड़े पहलवान को चित्त कर देता है। नामी प्रतियोगिताओं में तगड़े खिलाड़ी अकसर बहुत फायदे में रहते हैं। लेकिन ओलंपिक और विश्व चौम्पियनशिप जैसी कुलीन प्रतियोगिताओं में नियम बहुत सख्त होते हैं, मानो पत्थर पर लकीर दृयहां तक कि कुछ ग्राम अधिक वज़न निकलने पर पहलवान या बॉक्सर को बाहर कर दिया जाता है। संयुक्त विश्व कुश्ती संघ, जोकि इस खेल के लिए वैश्विक प्रशासनिक संस्था है, की नियम संहिता के अनुसार मुकाबले वाले दिन की सुबह प्रतियोगी का वज़न तोला जाता है, ओलंपिक या विश्व चौम्पियनशिप जैसे बड़े आयोजनों में मुकाबले दो दिन चलते हैं। प्रथम दिन यदि खिलाड़ी का वजन अधिक आए तो तयशुदा सीमा तक घटाने के लिए उसे आधे घंटे का वक्त दिया जाता है, इस दौरान वह जॉगिंग, साईकिलिंग, रस्सी कूद या तेज दौड़ इत्यादि उपायों से अपने भार में कमी लाने का प्रयास करता है और फिर से वजन तोलने की मशीन पर चढ़ता है। पर यह तभी कारगर है जब मामला चंद ग्राम भार घटाने का हो। दूसरे दिन, जिस रोज फाइनल खेला जाना हो, पहलवानों को वज़न में कमी लाने के वास्ते 15 मिनट का समय दिया जाता है। तोल प्रक्रिया में, पहलवान चाहे कितनी भी बार मशीन पर चढ़ सकता है। भिड़न्त वाले खेलों के प्रतिभागी सामान्यतः प्रथम दिन के वज़न के हिसाब से तैयार रहते हैं, इसके लिए वे प्रतियोगिता से पहले के दिनों में भोजन और पानी की मात्रा घटाते हैं या एक वक्त का भोजन नहीं करते। लेकिन इसके चलते उनकी ऊर्जा एवं ताकत भंडार में कमी होती है और भरपाई हेतु उच्च शक्तिवर्धक एवं उच्च प्रोटीन युक्त भोजन और पेय पदार्थ लेते हैं, उदाहरणार्थ, विनेश ने प्रथम दिन की सुबह वज़न तुलवाने के बाद, तकरीबन डेढ़ किलो भोजन ग्रहण किया, जोकि साथ गए पौष्टिकता विशेषज्ञ की गणना और सलाह के अनुसार था। तीन मुकाबलों के दौरान और उनके बाद, शरीर में पानी की अत्यधिक कमी पड़ने से बचाने के वास्ते उसे बहुत कम मात्रा में जल दिया गया। उन दिन की कुश्तियों के बाद भार में लगभग 2 किलो की बढ़ोतरी हुई। विनेश का सामान्य भार 55 किलो है, पर वह निचले वज़न श्रेणी में लड़ रही थी क्योंकि इसमें फायदे का अवसर अधिक था। इससे पहले उसने दो बार विश्व कुश्ती प्रतियोगिता के 53 किलो वर्ग में कांस्य पदक जीता है, इसके अलावा एशियाई खेलों में भी दो पदक लिए हैं दृ 2018 में स्वर्ण तो 2014 में कांस्य दृ ये क्रमशः 51 किलो और 48 किलो वर्ग में थे। जैसे–जैसे पहलवान की उम्र बढ़ती है, वे अलग वज़न श्रेणी को चुनते हैं। इस प्रकार विनेश अपना वज़न घटाती चली आ रही थी। इस साल फरवरी माह में, कुश्ती प्रतियोगिताओं में वापसी के बाद, उसने राष्ट्रीय चौम्पियनशिप के 55 किलो वर्ग में खिताब जीता। अगले महीनों में, उसने दो श्रेणियों में ताल ठोकी दृ50 किलो और 53 किलो मेंदृ ये एशियन चौम्पियनशिप और एशियन ओलंपिक क्वालीफायर में चयन उत्तीर्ण करने के वास्ते थी। इसमें वह 53 किलो श्रेणी में एक नई महिला पहलवान अंजु से हार गई पर 50 किलो वर्ग में जीत प्राप्त की। अप्रैल में, विनेश ने एशिया ओलंपिक चयन उत्तीर्णता मुकाबले के 50 किलो फाइनल में पहुंचकर ओलंपिक टीम में जगह पक्की कर ली। अलबत्ता ओलंपिक के लिए 53 किलो श्रेणी में युवा महिला पहलवान अंतिम पंघाल चुनी गई। साफ है, पेरिस ओलंपिक से पहले के महीनों

में, विनेश ने भारत की ओर से अग्रणी उम्मीद बनने की खातिर अनेक भार वर्ग बदले। युई सुसाकी पर मिली विजय ने पदक की उम्मीद बढ़ा दी। यदि संयोगवश, विनेश अपने सेमीफाइनल मुकाबले में चोटिल हो गई होती और फाइनल न खेल पाती, तो उसे बुधवार की सुबह वजन–जांच में भाग न लेना पड़ता और इस तरह उसे बिना कुश्ती लड़े रजत पदक मिल जाता। विनेश को अयोग्य करार दिए जाने के बाद, भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि भारतीय कुश्ती संघ ने विनेश के अयोग्यता मामले पर संयुक्त विश्व कुश्ती संघ से पुनर्विचार का अनुरोध किया। किंतु कोई सुनवाई नहीं हुई, होनी भी नहीं थी,क्योंकि विश्व कुश्ती संघ के नियमों में किसी एक प्रतियोगी या राष्ट्र के लिए छूट देना असंभव है, यहां तक कि सिर्फ 10 ग्राम अधिक होने पर भी नहीं, 100 ग्राम तो दूर की बात है। वास्तव में, संयुक्त विश्व कुश्ती संघ चाहता है कि खिलाड़ी अपने नैसर्गिक वज़न वर्ग में लड़ें न कि निचले भार वर्ग में लड़ने की योग्यता बनाने को अप्राकृतिक ढंगों का सहारा लेंदृ जैसा कि इस साल विनेश ने किया, 55 किलो से 53 किलो और अंततः पेरिस ओलंपिक के लिए वजन 50 किलो। खेल प्रतियोगिता–2024 के 50 किलो वर्ग में चयन योग्यता उत्तीर्ण करने के बाद, विनेश ने अप्रैल माह में कहा था कि बेहतर भार–प्रबंधन हेतु मदद की जरूरत पड़ेगी, क्योंकि उसे डर था कि शरीर में मांसपेशियों का अनुपात काफी अधिक होने के कारण कहीं वज़न न बढ़ जाए। पेरिस में विनेश का यह सबसे बड़ा डर सच साबित हुआ। ओलंपिक में हृदय को आघात पहुंचाने वाले इस घटनाक्रम के बाद विनेश फोगाट ने कुश्ती को अलविदा कह दिया। उसने कुश्ती में अयोग्य ठहराए जाने के विरुद्ध खेल अदालत (सीएएस) में अपील भी डाली है जिसमें उसने संयुक्त रूप में रजत पदक पाने की मांग भी रखी। अपनी मां प्रेमलता को संबोधित करते हुए विनेश ने लिखा, 'मां कुश्ती मेरे से जीत गई और मैं हार गई, माफ करना आपका सपना ओर मेरी हिम्मत सब टूट चुके हैं। अब इससे ज्यादा ताकत नहीं रही। अलविदा कुश्ती 2001–2024'। आप सबकी सदा ऋणी रहूंगी, क्षमा याचक।

सीएम योगी ने किया १३ विभागों के कार्यों की समीक्षाः देखा मेडिकल कालेज के निर्माण की प्रगति

संवाददाता–गोण्डा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को गोंडा के सर्किट हाउस में जनप्रतिनिधियों से मुलाकात के बाद बैठक की। इस दौरान अधिकारी भी मौजूद रहे। उन्होंने जनहित से जुड़े 13 विभागों के कार्यों की प्रगति को देखा। इस दौरान देवीपाटन मंडल के चारों जिलों के लोकसभा क्षेत्रों के सांसद, विधायक और सभी जिला पंचायत अध्यक्ष के साथ 27 जनप्रतिनिधि ा व अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में देवीपाटन मंडल के आयुक्त शशिभूषण लाल सुशील, डीआईजी अमरेन्द्र प्रसाद सिंह, डीएम नेहा शर्मा व एसपी विनीत जायसवाल, सीडीओ एम. अरुनमोली रहे। जिलाधिकारी नेहा शर्मा सुबह से ही तैयारियों पर नजर बनाए रखीं। सीएम का उड़नखटोला गोंडा में सुबह 10.40 बजे उतरा। समीक्षा में बाढ़ नियंत्रण, गोशाला, पंचायतीराज, आवास, राजस्व व बेसिक व माध्यमिक विभाग समेत कुल 13 विभागों की महत्वपूर्ण परियोजनाओं की समीक्षा करेंगे। इसके लिए जिलाधिकारी नेहा शर्मा व सीडीओ एम. अरुनमोली की ओर से अधिकारियों को जरूरी दिशा–निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों ने कहा कि योजना के बावत पूछे जाने पर इधर–उधर की बात करने के बजाय बिंदुवार स्पष्ट जानकारी दें। इसकी सभी अधिकारी तैयारी कर लें। वहीं सीएम योगी आदित्यनाथ सर्किट हाउस में भी जनप्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने जिले के निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज का भी निरीक्षण किया। अधिकारियों का कहना है कि लगभग 93 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। वहीं कार्यदायी संस्था के 281 के सापेक्ष 264 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं। जबकि 230 करोड़ रुपये कार्यदायी संस्था ने खर्च किया है। इस तरह से मेडिकल कॉलेज बनकर तैयार हो गया। जबकि हास्पिटल स्तर पर काम चल रहा है।

मानसरोवर मंदिर में सीएम योगी ने किया रुद्राभिषेक, लोक मंगल की कामना की

संवाददाता–गोरखपुर। पावन सावन माह के तीसरे सोमवार को गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंधियारी बाग स्थित प्राचीन मानसरोवर मंदिर में रुद्राभिषेक कर भगवान भोलेनाथ से प्रदेशवासियों के सुख–समृद्धि की प्रार्थना की। प्राचीन मानसरोवर मंदिर में सीएम योगी ने देवाधिदेव महादेव को विल्व पत्र, कमल पुष्प, दुर्वा, अनेकानेक पूजन सामग्री अर्पित करने कर बाद गो दुग्ध और फलों के रस से रुद्राभिषेक किया। गोरखनाथ मंदिर के विद्वत पुरोहितगण ने शुक्ल यजुर्वेद संहिता के रुद्राष्टाध यायी के महामंत्रों द्वारा रुद्राभिषेक कराया।

रुद्राभिषेक के बाद मुख्यमंत्री वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन व आरती कर अनुष्ठान को पूर्ण किया। उन्होंने देवाधि ादेव महादेव से प्रदेशवासियों के आरोग्यमय, सुखमय, समृद्धमय व शांतिमय जीवन की मंगलकामना की।

स्कूल में दिन का बना छोला रात में पूड़ी संग खिला दिया, ८० बच्चों की तबीयत खराब, मचा हड़कंप

संवाददाता–देवरिया। बरियारपुर क्षेत्र के मेहरौना में संचालित पंडित दीन दयाल उपाध्याय आश्रम पद्धति इंटर कॉलेज के करीब 80 छात्रों की तबीयत सोमवार की सुबह खराब हो गई। कुछ बच्चे पेट दर्द, कुछ उल्टी और कुछ चक्कर आने की शिकायत कर रहे थे। एक साथ इतने बच्चों की तबीयत खराब होने से स्कूल में हड़कंप मच गया। सूचना पर क्षेत्रीय विधायक, सीओ, सीएमओ खुद मेडिकल टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। लगभग दो दर्जन बच्चों की हालत गंभीर देख उन्हें एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज भेजवाया गया। वहीं, अन्य को स्कूल में ही दवा दी जा रही थी, जहां उनका इलाज चल रहा है। उन्हें भी एबुंलेंस मेडिकल कॉलेज की तैयारी की जा रही थी।

राजकीय आश्रम पद्धति इंटर कॉलेज मेहरौना में कुल 326 छात्र नामांकित हैं। यहां कक्षा 6 से 12 तक की पढ़ाई होती है। रविवार की रात से खाना खाने के बाद कुछ बच्चों को उल्टी, दस्त, पेट दर्द, चक्कर व कंपकंपी की शिकायत मिली। इसके बाद स्कूल प्रबंधन कुछ दवा देते हुए उन्हें आराम करने की सलाह दी और सुबह दिखाने की बात कह सुला दिया। इधर, सोमवार की सुबह लगभग पांच दर्जन से अधिक बच्चें फूड प्वाइजनिंग का शिकार हो गए।

इससे अफरा–तफर का माहौल कायम हो गया। देखते ही देखते दोपहर तक इनकी संख्या 80 के करीब पहुंच गई। बच्चों की तबीयत खराब होने से स्कूल में हड़कंप मच गया। प्रधानाचार्य सूर्यकांत राय ने इसकी जानकारी जिला समाज कल्याण अधिकारी जैसवार लाल बहादुर को दी।

समाज कल्याण अधिकारी ने मामले से सीएमओ को अवगत कराया। जानकारी मिलते ही सीएमओ मेडिकल टीम के साथ मौके पर पहुंचे। इधर सूचना पर विधायक सुरेंद्र चौरसिया, सीओ दीपक शुक्ला, एसओ बरियारपुर डॉ महेंद्र कुमार भी दलबल के साथ मौके पर पहुंच बच्चों को उपचार मुहैया कराने में जुटे रहे।

दोपहर बात तक बच्चों की स्थिति नियंत्रित नहीं होने पर लगभग दो दर्जन बच्चों को मेडिकल कॉलेज भिजवाया गया। वहीं, अन्य बच्चों की भी हालत गंभीर देख मेडिकल भिजवाने की तैयारी की जा रही थी। सूचना पर एसडीएम विपिन कुमार द्विवेदी, फूड इंस्पेक्टर भी दलबल के साथ पहुंच गए।

फूड इंस्पेक्टर ने कहा कि फूड प्वाइजनिंग का शिकार अधिकांश बच्चे है। कुछ वायरल का भी शिकार है। बच्चों में पेट दर्द और उल्टी की शिकायत की थी। मौके पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पहुंचकर जांच किया सभी बच्चों की तबीयत ठीक है। फूड प्वाइजिनिंग का शिकार बच्चों से जब खानपान के बारें में जानकारी ली गई तो बच्चों ने कहा कि रात में पूड़ी व छोला खाए थे। दिन में बने छोला को रात में पूड़ी के संग खिलाया गया है। बच्चों ने कहा कि छोला खाने के बाद से तबीयत बिगड़ने लगी। एक–एक कर बच्चे रात से बीमार पड़ने लगे। सुबह होते होते इनकी संख्या में इजाफा हो गया। इधर, फूड प्वाइजिनिंग का मामला आने के बाद विद्यालय प्रशासन में खलबली मची हुई है। अफरा–तफरी का माहौल कायम है।

नशे के सौदागर को तीन वर्ष की सजा

संवाददाता–गोण्डा। अपर सत्र न्यायाधीश सूर्य प्रकाश सिंह ने नशे के सौदागर को तीन वर्ष की कैद व अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड की अदायगी न करने पर तीन माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। विशेष लोक अभियोजक अनुपम शुक्ला के अनुसार थाना छपिया अंतर्गत ग्राम मल्हीपुर नासिर पुत्र अजीज के विरुद्ध थानाध यक्ष द्वारा इस आशय की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके मुताबिक गश्त के दौरान उन्हें एक अज्ञात व्यक्ति आता दिखाई दिया, संदिग्ध प्रतीत होने पर उसे पकड़ लिया गया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक किलो तीन सौ ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने मद्य निषेध अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कर प्रकरण की विवेचना करने के बाद आरोप पत्र अदालत पर भेज दिया। अदालत ने अभियोजन व बचाव पक्ष के अधिवक्ताओं की दलीलों को सुना तथा पत्रावली में उपलब्ध साक्ष्यों का गहन अवलोकन करने के पश्चात आरोपी को दोषी करार देते हुए तीन वर्ष की कैद व पचीस हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड की अदायगी न करने पर तीन माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

बिना टेंडर नहर की खोदाई ठेकेदारों ने रुकवाई

संवाददाता–गोण्डा। सिंचाई विभाग की तरफ से बिना टेंडर कराए ही खुदाई का कार्य शुरू कर दिए जाने की बात लेकर बवाल खड़ा हो गया। दर्जनों ठेकेदार एकत्रित होकर मौके पर पहुंच गए और उन्होंने कार्य का विरोध करते हुए बंद कर दिया। इसके बाद वहीं से फोन करके अधिशासी अभियंता से पूछा कि जो कार्य हो रहा है उसका टेंडर कराया गया है या नहीं। यदि टेंडर हुआ है, तो एतराज नहीं है। पूरा दिन इसको लेकर गहमागहमी का माहौल बना रहा। मामला सरयू नहर खंड चार का है। इसके अंतर्गत रूद्रपुर बिसेन माइनर के पास बिना टेंडर कराए खुदाई का कार्य चुपके से कराया जा रहा था। जिसकी जानकारी सिंचाई विभाग के ठेकेदारों को हुई । ठेकेदारों ने इसकी सूचना विभागीय उच्च अभियंताओं को देते हुए मौके पर पहुंचकर कार्य को रुकवा दिया। इसके बाद में सरयू नहर खंड चार के अधिशासी अभियंता से फोन पर इस संबंध में बातचीत भी की। हालांकि पूरा दिन यह मामला सिंचाई विभाग में चर्चा का विषय बना रहा । ठेकेदारों ने एक पत्र शासन को भेज कर इसकी जांच कराने की मांग की है ताकि यह पता लग सके कि सही मामला क्या था।

कमजोर छात्रों को प्रदान करें उपचारात्मक शिक्षा

संवाददाता–श्रावस्ती। कमजोर छात्र छात्राओं को मजबूत बनाने के लिए राजकीय बालिका इण्टर कालेज भिनगा में उपचारात्मक शिक्षण माड्यूल प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण पांच दिनों तक चलेगा। जिसमें राजकीय व अशासकीय सहायता प्राप्त स्कूलों के शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारम्भ सोमवार को जिला विद्यालय निरीक्षण मिथिलेश कुमार व सहायक वित्त एवं लेखाधिकारी रविकांत सिंह ने द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। प्रशिक्षण के दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक ने कहा कि विद्यालय में कक्षा नौ व 10 में हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान तथा कक्षा 11 व 12 में अंग्रेजी, गणित, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान के कमजोर विद्यार्थियों को चिन्हित कर उपचारात्मक शिक्षण प्रदान करना है।

उन्होंने कहा कि जो शिक्षक यहां पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है वह अपने विद्यालय के कमजोर छात्रों को उपचारात्मक शिक्षा देकर उन्हें मजबूत करेंगे। जिससे वह अन्य छात्र–छात्राओं के साथ चल सकें। राजकीय व अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के हिन्दी और अंग्रेजी के सहायक अध्यापकों को मास्टर ट्रेनर की ओर से लगातार पांच दिनों तक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। डीआईओएस ने बताया कि प्रशिक्षण नौ अगस्त को समाप्त होगा।

इस मौके पर राजकीय बालिका इण्टर कालेज भिनगा की प्रधानाचार्य डा भावना तेवतिया, राजीय इंटर कालेज गब्बापुर के प्रधानाचार्य डा हरि प्रताप त्रिपाठी, डायट प्रवक्ता ओम प्रकाश यादव, गिरीश प्रसाद, मिश्र आदि मौजूद रहे।

फर्जीवाड़े में पकड़ा गया आकाश

संवाददाता–संतकबीरनगर। एटीएस के जरिए पकड़े गए फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनाने वाले गिरोह के छह सदस्यों में संतकबीरनगर जिले के कोतवाली क्षेत्र के सियरा सांथा का रहने वाला जनसेवा केंद्र संचालक आकाश कसौधन भी शामिल है। उसकी गिरफ्तारी के बाद से ही परिजन और सगे संबंधी परेशान थे,लेकिन उन्हें इस फर्जीवाड़े की जानकारी नहीं थी। इधर राय बरेली पुलिस के जरिए उसे जेल भेजे जाने की खबर के बाद लोग तमाम तरह की बाते कर रहे हैं। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के सियरा सांथा गांव का रहने वाला आकाश कसौधन बीएससी किया है। वह एमएससी करने की तैयारी में था। आकाश तीन भाईयों में मझला है। उसके पिता गुलाब कसौधन गल्ला व्यवसायी हैं। जबकि उसके दोनों भाई पढ़ाई करते हैं। करीब डेढ़ साल पहले आकाश सियरा सांथा में ही जन सेवा केंद्र खोला था। परिवार और आस–पडोस में उसकी छवि अच्छी थी। इधर राय बरेली के सलोन थाने में ग्राम विकास अधिकारी की जन्म–मृत्यु आईडी पासवर्ड से अत्यधिक संख्या में फर्जी तरीके से जन्म प्रमाण पत्र निर्गत किए जाने के मामले में केस दर्ज हुआ। बाद में इस मामले में यूपी एटीएस लगी। इसमें एटीएस की फील्ड यूनिट वाराणसी, गोरखपुर, लखनऊ, मुरादाबाद, बरेली, अयोध्या, बहराइच और प्रयागराज की टीमों ने काम किया। उसी कड़ी में एटीएस ने सियरा सांथा के रहने वाले जन सेवा केंद्र संचालक आकाश कसौधन को पकड़ कर ले गई।

अयोध्या दुष्कर्म मामलाः पीड़िता की हालत बिगड़ी, अयोध्या से लखनऊ रेफर, क्वीन मैरी अस्पताल में कराया गया भर्ती

संवाददाता–अयोध्या। जिला महिला अस्पताल में भर्ती दुष्कर्म पीड़िता को संसाधनों के अभाव में अग्रिम इलाज के लिए केजीएमयू रेफर कर दिया गया है। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच एंबुलेंस से सीएमओ डॉ. संजय जैन पीड़िता को लेकर लखनऊ के लिए रवाना हुए हैं। भदरसा दुष्कर्म कांड की पीड़िता हैवानियत की शिकार होकर गर्भवती हो गई है। उसे इलाज के लिए महिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था लेकिन यहां विशेषज्ञ व आवश्यक संसाधनों की कमी के कारण चिकित्सकों ने उसके बेहतर इलाज के लिए केजीएमयू लखनऊ भेजने की संस्तुति की थी। सीएमओ डॉ. संजय जैन सुबह से अस्पताल परिसर में मौजूद रहे। कई राउंड की मंत्रणा और बाल कल्याण समिति के निर्देश पर उन्होंने बालिका को लखनऊ के लिए रेफर कराया। भाजपा जांच दल ने पीड़िता की मां से बात की। इसपर उन्होंने बताया कि अब भी आरोपी सपा नेता मोईद खान के समर्थक धमकी दे रहे हैं। समझौते का दबाव बना रहे हैं। हमें बहुत डर लग रहा है। इस पर प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्य मंत्री व भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र कश्यप ने कहा कि धमकी देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। योगी सरकार ऐसा करने वालों को नहीं छोड़ेगी। राज्यसभा सांसद बाबूराम निषाद ने परिवार को आश्वस्त किया कि आप निश्चिंत रहें। मेरा नंबर लें। कोई धमकाए तो सीधे मुझे बताएं। दल के सदस्य जिला महिला अस्पताल पहुंचे और पीड़िता का हाल जाना। उसे ढांढस बंधाया। इसके बाद सर्किट हाउस में प्रशासन और पुलिस अफसरों के साथ बैठक कर अब तक की कार्रवाई की जानकारी ली। नरेंद्र कश्यप ने कहा कि दुष्कर्म पीड़िता को न्याय के साथ दोषियों को फांसी दिलाएंगे। इस जघन्य घटना में शामिल लोग बच नहीं पाएंगे। योगी सरकार उन्हें मिट्टी में मिलाकर ही दम लेगी। आरोपी की अवैध संपत्तियों की जांच की जा रही है। उनपर भी बुलडोजर चलेगा।

राज्यमंत्री पीड़िता और उसके परिवार से मिलने के बाद सर्किट हाउस में संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार की सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी है। सरकार ने सख्त कार्रवाई की है। आरोपी जेल में है। उसकी संपत्ति ध्वस्त कर दी गई है। परिवार को आर्थिक मदद भी दी गई। घटना का मुख्य आरोपी सपा का नगर अध्यक्ष फैजाबाद के सांसद अवधेश प्रसाद का बेहद करीबी है। उस पर कार्रवाई की बजाय सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव डीएनए टेस्ट की बात कर रहे हैं।

यह शर्मनाक है। सपा ने अपना असली रूप दिखा दिया है। राज्यसभा सांसद संगीता बलवंत ने कहा कि भाजपा सरकार की नीति है कि पीड़ित किसी भी जाति या धर्म का हो, उसे हर हाल में न्याय मिलना चाहिए। अपराधी कितना भी रसूख वाला हो, उसे सजा मिलकर रहेगी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव कहते थे कि लड़के हैं, उनसे गलती हो जाती है। अब उसी पार्टी के मौजूदा अध्यक्ष डीएनए टेस्ट कराने की बात कर रहे हैं। किसी भी सूरत में अपराधी के साथ नहीं खड़ा होना चाहिए, चाहे वह हमारे दल का ही क्यों न हो।

हनुमानगढ़ी और रामलला के चरणों में सीएम योगी ने झुकाया शीश, भाजपा नेताओं ने किया स्वागत

संवाददाता–अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को अयोध्या के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे। यहां महापौर, विधायक समेत जनप्रतिनिधियों व भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री मंगलवार शाम रामकथा पार्क पहुंचे। यहां से मुख्यमंत्री सीधे हनुमानगढ़ी पहुंचे, जहां संकटमोचन हनुमान के चरणों में हाजिरी लगाई। यहां मुख्यमंत्री को स्मृति चिह्न भी भेंट किया गया। सीएम ने यहां दर्शन–पूजन के उपरांत अयोध्यावासियों व श्रद्धालुओं का अभिवादन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री श्रीराम जन्मभूमि पहुंचे और श्रीरामलला के चरणों में शीश झुकाया। मुख्यमंत्री ने यहां भी विधिवत दर्शन–पूजन किया। मुख्यमंत्री ने श्री राम जन्मभूमि में चल रहे निर्माण कार्यों की भी जानकारी ली। इसके पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लोकसभा चुनाव के दौरान अयोध्या पहुंचे थे। सीएम ने उस दौरान भी श्रीराम व संकटमोचन हनुमान के चरणों में हाजिरी लगाई थी। लोकसभा चुनाव के उपरांत मुख्यमंत्री मंगलवार को श्रीरामनगरी पहुंचे। दर्शन–पूजन के दौरान प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, विधायक वेदप्रकाश गुप्त, अमित सिंह चौहान, रामचंद्र यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय आदि मौजूद रहे।

जनपद के नौ केन्द्रों पर होगी पुलिस भर्ती परीक्षा

संवाददाता–संतकबीरनगर। पुलिस भर्ती परीक्षा जनपद में नौ केन्द्रों पर होगी। सभी केन्द्र शहर और उसके आस–पास ही बनाए गए हैं। परीक्षा 23 से 31 अगस्त के बीच दो पालियो में होगी। जिसको लेकर प्रशासन ने तैयारी तेज कर दी है। पुलिस विभाग के अधिकारी केंद्रों को परीक्षा के अनुरूप तैयार कराने में जुट गए हैं। सभी केन्द्रों पर सीसीटीवी को चेक किया जा रहा है। सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में आरक्षी भर्ती परीक्षा होगी। परीक्षा में कहीं कोई गड़बड़ी न हो इसको लेकर प्रशासन, पुलिस के साथ ही एटीएस भी पूरी तरह से सक्रिय रहेगी। जनपद में आयोजित होने वाले पुलिस भर्ती परीक्षा में परीक्षार्थियों की सुविधा को देखते हुए मुख्यालय से दस किलोमीटर के भीतर परीक्षा केंद्र बनाया गया है। जिससे मॉनिटरिंग सख्ती के साथ की जा सके। 17 व 18 फरवरी को हुई परीक्षा पेपर लीक होने के बाद रद्द कर दिया गया था। अब पुलिस भर्ती परीक्षा का नया कार्यक्रम जारी हुआ है। पांच दिनों तक दो पाली में चलने वाली परीक्षा के लिए सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे से परीक्षार्थियों पर नजर रखी जाएगी। इसके अलावा समय से परीक्षा केंद्रों पर प्रश्नपत्र पहुंचाने की भी व्यवस्था की जा रही है। परीक्षा में लगभग 2646 अभ्यर्थी शामिल होंगे। पुलिस भर्ती परीक्षा के लिए प्रशासन की तरफ से भी तैयारी चल रही है। पुलिस अभी से ही सतर्क है। केंद्र की व्यवस्था को चाक–चौबंद रखने के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक लगातार तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। परीक्षा केंद्र के 200 मीटर के आसपास किसी भी व्यक्ति को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। केंद्र पूरी तरह से पुलिस के नियंत्रण में रहेगा। इसके अलावा मजिस्ट्रेट भी तैनात रहेंगे। डीआईओएस हरिश्चन्द्र नाथ ने बताया कि राजकीय कन्या इंटर कॉलेज खलीलाबाद, एचआर इंटर कॉलेज खलीलाबाद, एचआर पीजी कॉलेज खलीलाबाद, राजकीय आईटीआई कॉलेज चकदही, महामाया पॉलीटेक्निक इंफार्मेशन टेक्नोलॉजी बालूशासन, नेहरु कृषक इंटर कॉलेज खलीलाबाद, मौलाना आजाद इंटर कॉलेज खलीलाबाद, संतकबीर आचार्य राम विलास इंटर कॉलेज मगहर, सरदार पटेल हायर सेकेंडरी स्कूल भदांह को परीक्षा केन्द्र बनाया गया। हरिश्चंद नाथ, डीआईओएस ने कहा कि जनपद में पुलिस भर्ती परीक्षा नौ केन्द्रों पर होगी।

अकबरपुर रेलवे स्टेशन पर मिली चार दिन से लापता स्नातक की छात्रा

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। बीते शनिवार को मालीपुर थाना क्षेत्र की लापता छात्रा अकबरपुर रेलवे स्टेशन पर मिली। छात्रा के अनुसार स्कूल जाते समय उसका अपहरण हुआ था। आरपीएफ ने आगे की कार्रवाई कर मालीपुर पुलिस के सुपुर्द कर दिया है। मंगलवार को रेलवे सुरक्षा बल अकबरपुर के प्रभारी निरीक्षक जीएस गौतम हमराहियों के साथ स्टेशन की गस्त पर रहे थे। इस दौरान प्लेटफार्म नंबर एक पर एक लडकी रोते हुए मिली।

कारण पूछा गया तो उसने अपना नाम अन्तिमा और ग्राम अवधना इस्माईलपुर थाना मालीपुर का निवासी बताया। कहा कि तीन अगस्त को घर से अपना बीए द्वितीय वर्ष का एडमिशन कराने के लिये वीरेन्द्र प्रताप स्मारक पोस्ट ग्रेजुएट कालेज कुंडा भैरवपुर जिला सुल्तानपुर के लिये एक ई– रिक्शा से जा रही थी। स्कूल से पहले नेमपुर घाट के पास ई रिक्शा पहुंचा तो अचानक एक बोलेरो में आए तीन लोग ई रिक्शा रोक लिए और मुझे पकड़कर रूमाल से मेरे मुंह पर रखकर कुछ सुंघा दिये। उसके बाद मुझे नहीं मालूम कि क्या हुआ जब मुझे आज मंगलवार को होश आया तो मैंने खुद को गोसाईंगंज रेलवे स्टेशन पर पाया। वहां से एक गाड़ी में बैठकर अकबरपुर रेलवे स्टेशन पर आई। आरपीएफ ने अन्तिमा के बताये नंबर पर उसके भाई प्रमोद, बहन साधना व जीजा मनीष के मोबाईल पर सूचना दी। सभी को अकबरपुर आरपीएफ पोस्ट पर बुलाकर अन्तिमा को उनके सुपुर्द कर किया। अन्तिमा के परिजनों के अनुसार उसकी गुमशुदगी की सूचना थाना मालीपुर में दर्ज है। इसके चलते अन्तिमा को परिजनों के साथ थाना मालीपुर भेजा गया। आगे की कार्रवाई मालीपुर पुलिस कर रही है।

हरिशंकर तिवारी की मूर्ति उनके गांव में लगे, जगह शासन तय करे -माता प्रसाद

संवाददाता–गोरखपुर। नेशनल पीजी कॉलेज में पूर्व मंत्री हरि शंकर तिवारी की जयंती पर आयोजित संगोष्ठी के अवसर पर नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने लोगों को संबोधित किया। कहा, आज ब्राम्हण समाज की हालत देख रहे हैं। हमें दूसरे वर्ग के लोगों को भी साथ लेकर शांति पूर्ण ढंग से बदलाव के लिए क्रांति लानी होगी। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि अपनी ताकत बढ़ाएं, अब सभी लड़ाई यहीं से है, वरना हम विलुप्त हो जाएंगे। उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि पूर्व मंत्री पंडित हरि शंकर तिवारी की प्रतिमा उनके गांव में ही स्थापित होनी चाहिए। जगह शासन तय करे। उन्होंने कहा कि वे जन नेता थे, सबको साथ लेकर चलते थे। उनकी प्रतिमा को न लगने देना निंदनीय है। इसका विरोध सदन में पूरे विपक्ष ने बेल में आकर किया। यही उनकी

लोकप्रियता थी। नेता प्रतिपक्ष सोमवार को नेशनल पीजी कॉलेज में पूर्व मंत्री हरि शंकर तिवारी की जयंती पर आयोजित संगोष्ठी के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा, आज ब्राम्हण समाज की हालत देख रहे हैं। हमें दूसरे वर्ग के लोगों को भी साथ लेकर शांति पूर्ण ढंग से बदलाव के लिए क्रांति लानी होगी। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि अपनी ताकत बढ़ाएं, अब सभी लड़ाई यहीं से है, वरना हम विलुप्त हो जाएंगे। हरि शंकर तिवारी हमेशा सभी को साथ लेकर चलते थे, उनके विचारों पर चलें। यही संकल्प लेकर जाएं। अपने सोए भाव को जगाएं, तभी एक मुकाम बना पाएंगे। उन्होने कहा कि लोकसभा चुनाव में भाजपा चार सौ पार का सपना देख रही थी, अब बोलती बंद हो गई है। इसे यूपी में गठबंधन ने रोका, उसमें भी सपा सबसे ज्यादा सीट पाई। अखिलेश यादव ही भाजपा को यूपी में बेदखल कर सकते हैं।

तस्करी की पीली धातु की मूर्ति के साथ एक दबोचा गया

संवाददाता–महराजगंज। इंडो–नेपाल सीमा ठूठीबारी में तैनात एसएसबी की टीम को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। क्षेत्र के राजाबारी गांव के नो मेंस लैंड के समीप पेट्रोलिंग के दौरान एसएसबी की टीम ने एक बाइक सवार के कब्जे से शिव परिवार, लड्डू गोपाल, राधा–कृष्ण की तमाम छोटी–छोटी मूर्तियां बरामद की हैं। ये मूर्तियां पीली धातु की बनी हैं और इनका वजन 62.50 किलोग्राम बताया जा रहा है। एसएसबी टीम ने इन मूर्तियों व बाइक सहित पकड़े गए युवक को ठूठीबारी कस्टम के हवाले कर दिया है।

एसएसबी की टीम सीमा पर पेट्रोलिंग कर रही थी कि महराजगंज के नंबर की एचएफ डीलक्स बाइक से एक युवक नेपाल की ओर जाता दिखा। एसएसबी जवानों ने बाइक सवार को रोककर उसकी तलाशी ली तो उसके पास से शिव परिवार, लड्डू गोपाल, राधा–कृष्णा की पीली धातु का छोटी–छोटी मूर्तियां बरामद हुई है। पकड़े गए आरोपित युवक की पहचान अजय पटेल निवासी मिठौरा–महराजगंज के रूप में हुई है। आगामी त्योहारों में इन मूर्तियों को भारतीय सीमा क्षेत्र से अवैध तस्करी कर नेपाल के विभिन्न शहरों में महंगे दामों में बेचने की योजना थी। एसएसबी बीओपी इंचार्ज इंस्पेक्टर शिव पूजन ने बताया कि राजाबारी गांव के नो मेंस लैंड के समीप से पीली धातु की मूर्तियों के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। इन मूर्तियों को वह नेपाल ले जाने की कोशिश में था। बताया कि अगली कार्रवाई के लिए मूर्तियों व बाइक सहित आरोपी को ठूठीबारी कस्टम के हवाले कर दिया गया है।

आर्किटेक्चर के छात्र की गोली मार हत्या, चाचा को पीटकर हाथ तोड़ा

संवाददाता–गोरखपुर। सिकरीगंज थाना क्षेत्र के अहिरौली खुर्द गांव में सोमवार की शाम दबंगों ने रंजिश में चाचा को पीटकर उनका हाथ तोड़ दिया। सूचना पर चाचा को देखने पहुंचे भतीजे आदेश (24) को भी दबंगों ने लाठी–डंडे से बुरी तरह पीटा फिर गोली मारकर घर के सामने फेंक गए। जिला अस्पताल में मौत की पुष्टि के बाद परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवा दिया। आदेश गोरखपुर के एक कॉलेज से आर्किटेक्चर की पढ़ाईकर रहा था। वह तारामंडल क्षेत्र में कमरा किराए पर लेकर रहता था। उधर, हत्या के बाद गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस फोर्स तैनात है। आरोपी घर से फरार हो गए हैं। घर पर सिर्फ महिलाएं ही हैं। सिकरीगंज के अहिरौली खुर्द गांव में आदेश चौधरी की हत्या के पीछे पुलिस की नाकामी भी कम जिम्मेदार नहीं है। सोमवार की शाम में आरोपियों ने पुरानी रंजिश को लेकर आदेश के चाचा विनोद चौधरी पर पहले जानलेवा हमला किया। हाथ पर गंभीर घाव लगने के बाद वह फरियाद लेकर थाने पर गए तो किसी ने उनकी बात को गंभीरता से नहीं लिया। एक दरोगा उनकी बात सुनी भी तो दूसरे दिन प्रार्थना पत्र लेकर आने को कहते हुए टरका दिया। थोड़ी ही देर बाद विनोद के भतीजे आदेश चौधरी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। जानकारी के मुताबिक, दीपू चौधरी मुंबई में रहकर सिलाई का काम करता है। उसके घर के पीछे ही एक पोखरा है जिसे लेकर लंबे समय से बृजेश त्रिपाठी के परिवार से विवाद चल रहा है। गर्मी के समय में पोखरा सूख जाता है और गांव के बच्चे उसमें खेलते हैं। बताया जा रहा है कि चार वर्ष पहले बृजेश और दीपू दोनों ही परिवार के बच्चे उसी सूखे हुए तालाब में खेल रहे थे। इस दौरान बच्चों के बीच में विवाद हो गया। तब मौजूद बड़े बुजुर्गों ने दोनों पक्ष के बच्चों को डांटते हुए भगा दिया। बाद में इसे लेकर दोनों परिवारों में विवाद हो गया था। तभी से दोनों परिवारों में रंजिश गहरी हो गई।

इस बीच आदेश आर्किटेक्ट की पढ़ाई करने के लिए गोरखपुर शहर चला आया और तारामंडल में किराया का मकान लेकर रहने लगा। वह गांव पर ही कम ही जाता था। लेकिन सोमवार को उसके पिता दीपू मुंबई से गांव आए थे। इसी बीच चाचा की पिटाई की खबर पाकर वह गांव गया था और हत्या हो गई। थाने की पुलिस पर गांव वालों का गुस्सा इसी बात को लेकर ज्यादा है कि अगर पुलिस ने विनोद की फरियाद सुनकर गांव में आरोपियों की तलाश और कार्रवाई की होती तो फिर उनकी हिम्मत इतनी तो नहीं हो पाती कि वह आदेश की गोली मारकर हत्या कर देते। फिलहाल, गांव में फोर्स तैनात कर मामले को शांत करने की कोशिश की जा रही है। तीन भाइयों में आदेश सबसे बड़ा था। छोटा भाई अभिषेक चौधरी (20) और विवेक चौधरी (18) गांव पर ही रहकर पढ़ाई करते हैं। घटना के समय दोनों भाई अपने घर पर ही मौजूद थे।

गोरखपुर सिकरीगंज थाना क्षेत्र के अहिरौली खुर्द गांव के दीपू चौधरी मुंबई में रहते हैं। उनकी गांव में पड़ोस में रहने वाले बृजेश त्रिपाठी से रंजिश है। चार साल पहले दोनों परिवार के बच्चों में विवाद के बाद से रंजिश चल रही है। दीपू मुंबई से सोमवार को अपने गांव पहुंचे थे। उनके आने की खुशी में भाई विनोद चौधरी बारीपुर बाजार से सामान लेने के लिए गए थे। सोमवार शाम में छह बजे के करीब आरोपी बृजेश ने अपने परिजन व अन्य साथियों के साथ में विनोद को घेर लिया और लाठी–डंडे से जमकर पीटा जिससे विनोद का हाथ टूट गया। इलाज कराने कराने के बाद वह थाने फरियाद लेकर पहुंचे। इधर घटना की जानकारी होने के बाद उनका भतीजा आदेश चौधरी तारामंडल से गांव के लिए निकल लिया। रात में 8:30 बजे चाचा से मिलने के बाद वह बगल में संतोष तिवारी के घर कीर्तन में शामिल होने चला गया। यहीं, पर आरोपी भी पहुंच और आदेश के हाथ और पैर में गोली मार दी। फिर लाठी डंडे से पिटाई कर घर के पास ले जाकर फेंक दिया। हाथ–पैर में दो गोली लगने की सूचना पर पहुंचे परिजनों ने पुलिस को जानकारी देने के साथ ही घायल आदेश को लेकर स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। जहां से डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में पहुंचने के बाद आदेश की मौत हो गई। गांव वालों का कहना है कि आरोपी बृजेश अपराधी किस्म का है और उस पर थाने पर कई मुकदमे दर्ज हैं। अपने बहनोई की हत्या में भी वह आरोपी बना था, हालांकि पुलिस ने अपनी इसकी पुष्टि नहीं की है।

मदरसा छात्र हत्याकांड में प्रधानाचार्य शिक्षक व अनुचर निलंबित

संवाददाता–बलरामपुर। तुलसीपुर के मदरसा जामिया नईमया अरबी कॉलेज के हॉस्टल परिसर में कक्षा दो के छात्र अयान की हत्या के मामले में हॉस्टल संचालन पर अग्रिम आदेश तक के लिए रोक लगा दी गई है। साध्थ ही मदरसा के प्रधानाचार्य, शिक्षक व अनुचर को निलंबित कर दिया गया है।

गुरुवार रात तुलसीपुर स्थित जामिया नईमया अरबी स्कूल के हास्टल परिसर में कक्षा दो के छात्र अयान की चाकू भोंककर हत्या कर दी गई थी। जांच में पाया गया कि हत्या के दौरान सीसीटीवी कैमरा बंद था। कैमरा 15 अप्रैल से बंद होने की बात कही गई है। इस बात को जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी यशवंत मौर्य ने घोर लापरवाही माना है। उन्होंने बताया कि मदरसा में जांच के दौरान घटना के दिन सीसीटीवी कैमरा खराब पाया गया।

लापरवाही पर प्रधानाचार्य नूर आलम, मदरसा हॉस्टल की देखरेख करने वाले शिक्षक मोहम्मद अहमद को ड्यूटी से गायब रहने व अनुचर वारिस अली को लापरवाही बरतने पर निलंबित कर दिया गया है। हॉस्टल गेट पर कर्मी की व्यवस्था न होने, बाउंड्रीवाल ऊंची न होने, अग्निशामक यंत्र की व्यवस्था न होने, निगरानी समिति का गठन न होने, हॉस्टल के कमरों में सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था न होने, मदरसा व हॉस्टल का भवन अलग–अलग न होने व आगंतुक पंजिका न होने के चलते हॉस्टल का संचालन अग्रिम आदेश तक के लिए रोक दिया गया है। मदरसा का सीसीटीवी कैमरा 15 अप्रैल से खराब था। टेक्निकल जांच में पाया गया है कि बीच–बीच में कैमरा अपने आप ठीक हो जाता था। 15 अप्रैल के बाद अधिकांश समय तक कैमरा खराब पाया गया। टेक्निकल जांच टीम ने अपने जांच में कैमरा के पॉवर में कमी होनी बताई है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी यशवंत मौर्य ने बताया कि सीसीटीव खराब होने की सूचना प्रधानाध्यापक, वार्डन, जिम्मेदार शिक्षक व अनुचर ने नहीं दी। इस बात को लेकर उनपर कार्रवाई की गई है। तुलसीपुर स्थित मदरसा में गुरुवार रात छात्र अयान की चाकू भोंककर उसके साथी ने ही हत्या कर दी थी। पुलिस ने जांच के लिए सीसीटीवी कैमरा के इंजीनियर को बुलवाया था। एसपी विकास कुमार के निर्देश पर सीसीटीवी कैमरा जांच के लिए टेक्निकल कमेटी का गठन किया गया। कैमरा 15 अप्रैल से खराब था। इस बात को लेकर जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने प्रधानाध्याक, शिक्षक व अनुचर के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की है। साथ ही उनका वेतन रोकने का भी आदेश दिया है।

नागपंचमी पर गोरखनाथ मंदिर में होगी दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता,सीएम रहेंगे मौजूद

संवाददाता–गोरखपुर। कुश्ती संघ की तरफ से इस प्रदेश स्तरीय सीनियर प्राइजमनी पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता में विजेता पहलवानों में लाखों रुपये की पुरस्कार राशि वितरित की जाएगी। इस बार प्रतियोगिता में विश्व स्तरीय पहलवानों समेत 300 से अधिक पहलवान प्रतिभाग करेंगे। दो दिवसीय (8 व 9 अगस्त 2024) कुश्ती प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में उत्साहवर्धन तथा विजेताओं को पुरस्कृत करने के लिए मुख्यमंत्री 9 अगस्त को खुद मौजूद रहेंगे। नागपंचमी के पावन पर्व पर गोरखनाथ मंदिर के मेला परिसर में आयोजित होने वाली कुश्ती प्रतियोगिता की परंपरा और समृद्ध होगी। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप इस प्रतियोगिता का स्वरूप गत वर्ष से प्रदेश स्तरीय कर दिया गया है।

कुश्ती संघ की तरफ से इस प्रदेश स्तरीय सीनियर प्राइजमनी पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता में विजेता पहलवानों में लाखों रुपये की पुरस्कार राशि वितरित की जाएगी। इस बार प्रतियोगिता में विश्व स्तरीय पहलवानों समेत 300 से अधिक पहलवान प्रतिभाग करेंगे। दो दिवसीय (8 व 9 अगस्त 2024) कुश्ती प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में उत्साहवर्धन तथा विजेताओं को पुरस्कृत करने के लिए मुख्यमंत्री 9 अगस्त को खुद मौजूद रहेंगे। यह जानकारी मंगलवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में जिला कुश्ती संघ के अध्यक्ष एवं अंतरराष्ट्रीय पहलवान दिनेश सिंह ने दी। उन्होंने कहा कि नागपंचमी पर्व पर देशज खेलों की प्राचीन परंपरा रही है। गोरखनाथ मंदिर का भी इस परंपरा से गहरा जुड़ाव है। मंदिर में हर वर्ष इस पर्व पर कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन होता है। कुश्ती को बढ़ावा देने के लिए गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर बीते कुछ साल से प्रतियोगिता का स्वरूप विराट कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश स्तरीय सीनियर प्राइजमनी पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता उत्तर प्रदेश केसरी, उत्तर प्रदेश कुमार व वीर अभिमन्यु तीन वर्गों में होगी। इसमें प्रदेश के विभिन्न मंडलों, कुश्ती छात्रावासों, स्पोर्ट्स कॉलेजों समेत गाजियाबाद, नोएडा, बनारस आदि जिलों व वके पहलवान भाग लेंगे। उत्तर प्रदेश केसरी के विजेता को पुरस्कार के रूप में 1.01 लाख रुपये नकद व गदा तथा उप विजेता को 51 हजार रुपये प्राप्त होंगे। उत्तर प्रदेश कुमार वर्ग में विजेता को 51 हजार रुपये नकद व गदा और उप विजेता को 25 हजार रुपये की पुरस्कार राशि मिलेगी। जबकि वीर अभिमन्यु का खिताब जीतने वाले को 51 हजार रुपये नकद व गदा तथा उप विजेता को 25 हजार रुपये का पुरस्कार प्राप्त होगा। श्री सिंह ने बताया कि कुश्ती प्रतियोगिता का उद्घाटन 8 अगस्त 2024 को दोपहर 12रू30 बजे से होगा जबकि समापन व पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम 9 अगस्त 2024 को दोपहर बाद 3 बजे होगा। समापन समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बतौर मुख्य अतिथि खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन व पुरस्कार वितरण के लिए उपस्थित रहेंगे। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी आले हैदर, जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष अरुणेश शाही और कुश्ती प्रशिक्षक चन्द्रविजय सिंह आदि भी उपस्थित रहे।

24 घंटे में छह बार दगी केबिल, फीडर बंद

संवाददाता–गोण्डा। ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घंटे निर्बाध बिजली सप्लाई को लेकर सरकार लाख दावा भले ही कर रही हो लेकिन धरातल पर केवल पांच छह घंटे की सप्लाई लोगों को मिल रही है। बिजली उपकेंद्र इटियाथोक से जुड़े सभी फीडरों को जर्जर केबिलों के सहारे चलाया जा रहा है। सप्लाई जैसे शुरू होती है कुछ समय बाद केबिल गर्म होकर जगह–जगह जलकर टूट कर गिर जाती है। ऐसी स्थिति में सभी फीडर को बंद कर दिया जाता है। भीषण गर्मी में करीब 23 हजार की आबादी परेशान रही। हाल ही में पावर कार्पोरेशन ने शेड्यूल जारी करके ग्रामीण क्षेत्र में 18 घंटे बिजली सप्लाई देने का निर्देश दिया था। इसके बाद भी क्षेत्र में बिजली सप्लाई की स्थिति सुधरने का नाम नहीं ले रही है। पुराने लाइनों पर खींची केबिल हर बार गर्म होकर जलने लगती है। विद्युत उपकेंद्र इटियाथोक से जुड़े कई फीडरो पर नई केबिल बिछाने का काम चल रहा है। स्टेशन रोड पर भी बिजली खंभों पर नई केबिल विभाग लगवा रहा है। बताया जा रहा है कि नई केबिल डाल रहे कर्मचारियों ने स्टेशन रोड पर रखे 400 केवीए ट्रांसफार्मर में पुराने और नई केबिल के न्यूट्रल और फेज की लाइन को गलत जोड़ दिया।

सोमवार की रात जब स्टेशन रोड के फीडर की सप्लाई शुरू हुई तो केबिल में आग लग गई। केबिल में आग लगने से आसपास के रहने वाले लोग घरों से बाहर आ गए। आनन फानन में सप्लाई को काटा गया। यही स्थिति कमोबेश सभी फीडरों की हैं। स्टेशन रोड पर रखे 400 केवीए ट्रांसफार्मर से लोड को कम करने के लिए हाल ही में बिजली विभाग ने 100 केवीए का नया ट्रांसफार्मर रखकर उसमे धोबहा ताल से रेलवे क्रासिंग तक लोड को जोड़ दिया ताकि पुराने ट्रांसफार्मर से लोड कम हो जाए। स्टेशन रोड का लोड कम तो हुआ लेकिन केबिल का बार बार दगने से सप्लाई सभी फीडरो की बंद हो जाती है।

इंटरलॉकिंग सड़क की जांच करने पहुंचे लोकपाल

संवाददाता–महराजगंज। निचलौल ब्लॉक क्षेत्र के सेमरहना गांव में बने इंटरलॉकिंग सड़क की जांच करने लोकपाल पहुंचे। इस दौरान खंड विकास अधिकारी समेत कई जिम्मेदार भी मौजूद रहे। जांच के दौरान जिम्मेदारों में काफी देर तक अफरा–तफरी का माहौल बना रहा।

लोकपाल रविंद्र कुमार पाल ने कहा की गांव में बने इंटरलॉकिंग सड़क में धांधली की शिकायत की गई थी। इस मामले में उच्चाधिकारियों के निर्देश पर वह गांव पहुंच इंटरलॉकिंग सड़क की कई बिंदुओं पर जांच पड़ताल की। इस दौरान काम करने वाले कुछ मजदूरों से भी पूछताछ की है। जांच के बाद रिपोर्ट तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेज दी जाएगी। वही इंटरलॉकिंग सड़क की शिकायत करने वाली पीड़िता पूनम गुप्ता ने कहा की जिम्मेदारों के दबाव में गांव पर इंटरलॉकिंग सड़क की जांच करने पहुंची टीम उन्हे कोई सूचना नहीं दी। बगैर उनकी मौजूदगी में जांच कर ली गई है।

ग्राम प्रधान पद पर 65.07 व बीडीसी पद पर हुआ 39.27 प्रतिशत मतदान

संवाददाता–बलरामपुर। जिले के चार ग्राम प्रधान व एक बीडीसी सीट पर मंगलवार को शांतिपूर्ण ढंग से उप चुनाव सम्पन्न हुआ। प्रधान पद के लिए चारों ग्राम पंचायतों में 5810 मतदाताओं के सापेक्ष 3781 लोगों ने मतदान किया, जो 65.07 प्रतिशत है। वहीं उतरौला ब्लाक के मटियारिया कर्मा गांव में बीडीसी पद पर 1492 के सापेक्ष 586 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। यहां पर 39.27 प्रतिशत मतदान हुआ। तुलसीपुर व सदर ब्लाक मुख्यालय पर ग्राम प्रधान एवं उतरौला ब्लाक मुख्यालय पर आठ अगस्त को सुबह आठ बजे मतगणना कराई जाएगी।

सदर ब्लाक के ग्राम घूघुलपुर, करमोहना व सिंगाही में ग्राम प्रधान पद पर उप चुनाव सम्पन्न हुआ है। तीनों गांवों में सात उम्मीदवारों के बीच जबरदस्त मुकाबला माना जा रहा है। तुलसीपुर ब्लाक के ग्राम लालनगर सिपहिया में ग्राम प्रधान पद पर चार उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। यहां पर भी शांतिपूर्ण ढंग से मतदान सम्पन्न हुआ। सदर ब्लाक के ग्राम पंचायत घूघुलपुर में दो प्रत्याशी पियूष पाण्डेय व लीलावती चुनाव मैदान में हैं। यहां पर 2151 मतदाताओं में से 1544 मतदाताओं ने तीन बूथों पर अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। यहां पर 71.78 प्रतिशत मतदान हुआ है। करमोहना में प्रीती सिंह व सुरेश कुमार यादव के बीच मुकाबला है। सेक्टर मजिस्ट्रेट अनुपम शुक्ला ने बताया कि करमोहना में 50.4 प्रतिशत मतदान हुआ है। यहां पर 1527 मतदाताओं में से 770 ने दो बूथों पर मतदान किया है। सिंगाही में नीता मौर्या, सत्य प्रकाश व बाबूराम के बीच त्रिकोणिए मुकाबला बताया जा रहा है। यहां पर 1354 मतदाताओं में से 1040 ने दो बूथों पर अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। यहां पर 76.80 प्रतिशत मतदान हुआ है। वहीं तुलसीपुर ब्लाक के ग्राम पंचायत लालनगर सिपहिया में अखिलेश्वर, कृष्ण कुमार, तुलसीदास व मोहम्मद हनीफ के बीच मुकाबला है।

मतदान के दौरान आने वाली छिटपुट समस्याओं का समाधान सेक्टर मजिस्ट्रेट ने अपनी सूझबूझ से कराया। सदर ब्लाक के तीनों ग्राम पंचायतों में तैनात सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने–अपने क्षेत्रों में भ्रमणशील रहे। करमोहना गांव में नायब तहसीलदार अनुपम शुक्ला को सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया था। अनुपम शुक्ला ने बताया कि करमोहना में मतदान के दौरान कोई विवाद उत्पन्न नहीं हुआ। मतदाता सूची में कुछ कमियां सामने आई थीं। मतदाताओं के नाम में गड़बड़ी होने पर दोनों प्रत्याशियों के सहमति के आधार पर मतदान करने का अधिकार दिया गया।

सिंगाही व घूघुलपुर के सेक्टर मजिस्ट्रेट सदर तहसीलदार अखिलेश ने बताया कि शांतिपूर्ण ढंग से मतदान सम्पन्न हुआ। यहां पर किसी भी प्रकार का कोई विवाद उत्पन्न नहीं हुआ। तुलसीपुर ब्लाक के लालनगर सिपहिया में अखिलेश्वर, कृष्ण कुमार, तुलसीदास व मोहम्मद हनीफ के बीच कांटे का मुकाबला माना जा रहा है। यहां पर 778 मतदाताओं में 427 लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। यहां पर 54.43 प्रतिशत मतदान हुआ है।

उतरौला ब्लाक के ग्राम पंचायत मटियरिया कर्मा में क्षेत्र पंचायत सदस्य पद पर उप चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। यहां पर आलोक कुमार व हरीराम के बीच चुनावी मुकाबला है। मंगलवार को सुबह सात बजे शुरू हुए मतदान में 1492 मतदाताओं में से 586 लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। यहां पर सबसे कम 39.27 प्रतिशत मतदान हुआ। मतदेय स्थल पर सुबह से ही सुरक्षा के मद्देनजर भारी संख्या में सुरक्षा कर्मी मौजूद रहे। वहीं सेक्टर मजिस्ट्रेट भी लगातार बूथों का जायजा लेते रहे।

मंदिर आंदोलन के महानायक रामचंद्र परमहंस को पद्मश्री दे सरकार –डा. वेदांती

संवाददाता–अयोध्या। मां सरयू के संत तुलसीदास घाट स्थित श्री राम जन्मभूमि आंदोलन के पुरोधा प्रतिवाद भयंकर उपाधि से विभूषित श्री रामचंद्र दास परमहंस महाराज की समाधि पर अयोध्या के संतो महंतों ने 21वीं पुण्यतिथि के पूर्व संध्या पर समाधि का जीर्णोद्धार कराने वाले उनके शिष्य एवं श्री महंत रामचंद्र दास परमहंस सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष आचार्य नारायण मिश्रा के संयोजन में श्रद्धांजलि अर्पित की गई और श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर बोलते हुए पूर्व सांसद ब्रह्मर्षि डॉ रामविलास दास वेदांती महराज ने केंद्र सरकार से मांग किया कि राम मंदिर आंदोलन के महानायक तथा श्री राम जन्मभूमि न्यास के पूर्व अध्यक्ष दिगम्बर अखाड़े के पूर्व श्रीमहंत परमहंस महाराज को मरणोपरांत पदमश्री एवार्ड से सम्मानित करे। उन्होंने कहा कि साथ ही साथ गोरखनाथ पीठाधीश्वर पूर्व महंत अवैद्यनाथ महराज तथा राम मंदिर आंदोलन के लिए अलख जगाने वाले विश्व हिन्दू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष स्व अशोक सिंघल को भी पद्मश्री सम्मान से नवाजा जाए। निहत्थे कारसेवकों पर गोली चलाने वाले मुलायम सिंह यादव को यह सम्मान दिया जा सकता है तो आंदोलन के असली हकदार को क्यों नहीं।

राम मंदिर आंदोलन के असली हीरो को नजर अंदाज किया गया इसीलिए बीजेपी को कम सीट आईं और अयोध्या हारने का कारण उन्होंने डीएम और एसएसपी को बताया। रसिक पीठाधीश्वर महंत जन्मेजय शरण ने कहा कि परमहंस महाराज के आंदोलन की देन है की श्री राम लला को हम लोग जन्म स्थान पर दर्शन कर रहे है। महेंद्र त्रिपाठी ने डॉ वेदांती को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष बनाने की मांग रखी। इन्हीं के साथ वशिष्ठ पीठाधीश्वर महंत राघवेश दास वेदांती, इक्बाल अंसारी, बबलू खान वेद मंदिर के पुजारी गोवर्धन दास, करपात्री जी महाराज, पंडा समाज के अध्यक्ष राजेश महाराज, महंत रामानुज शरण सहित अनेकों विद्वानों ने भावांजलि प्रकट की संचालन वरुण दास ने किया।संयोजक नारायण मिश्र ने सभी का आभार व्यक्त किया इस अवसर पर सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

गांव में घुसे चोर को ग्रामीणों ने पीट–पीटकर मार डाला

संवाददाता–बहराइच। बहराइच के देहात कोतवाली क्षेत्र के हरिहरपुर रैकवारी गांव में सोमवार देर रात को लगभग छह की संख्या में चोर पहुंच गए।

चोरों की आहट पाकर ग्रामीण जाग गए और उन्हें पकड़ने की कोशिश की। जिसमें से एक चोर ग्रामीणों की पकड़ में आ गया। ग्रामीणों की पिटाई से उसकी मौत हो गई। चोर की मौत की सूचना पर पुलिस के उच्च अधिकारी भी जांच पड़ताल के लिए घटनास्थल पर पहुंच गए।

हरिहरपुर रैकवारी के मजरा डाकपुरवा गांव में सोमवार देर रात को आधा दर्जन से अधिक की संख्या में चोर गांव निवासी राजेश सिंह के घर में घुस गए। यहां चोरी के करने के बाद मुन्ना सिंह के घर में घुसे। इसी दौरान महिला आहट पाकर जाग गई और शोर मचाया तो गांव के लोग जाग गए जिससे सभी चोर भागने लगे। इसी दौरान ग्रामीणों ने एक चोर को पकड़ लिया और पिटाई कर दी। कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। गांव के लोगों ने बताया कि मौत से पहले उसने अपना नाम बाराबंकी जिला निवासी सिराज बताया था। कुछ लोगों का कहना है कि चोर की मौत हार्ट अटैक से हुई है। पुलिस ने गांव पहुंच कर शव को कब्जे में ले लिया है। पोस्टमार्टम की कार्यवाई की जा रही है।

घटना की जानकारी होने पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर रामानंद कुशवाहा, कोतवाली देहात के प्रभारी निरीक्षक बीके मिश्रा पुलिस बल के साथ पहुंचे हैं। ग्रामीणों का बयान दर्ज किया जा रहा है। एएसपी सिटी रामानंद कुशवाहा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

एचआईवी व टिटनेस बांट रहे कूड़े के ढेर में पड़े बायो मेडिकल वेस्ट

संवाददाता–बहराइच। गंभीर बीमारियों के बेहतर इलाज का सब्जबाग दिखाने वाले निजी अस्पताल ही रेवड़ियों की तरह बीमारियां बांट रहे हैं। यह सुनकर अटपटा जरूर लगेगा, लेकिन यह सौ फीसद सच है। शहर की सड़कों के किनारे डंप कूड़ों में पड़े बायो मेडिकल वेस्ट की जद में आने से टिटनेस, निमोनिया ही नहीं लाइलाज एचआईवी से भी लोग ग्रसित हो रहे हैं। खुलेआम निजी नर्सिंगहोम,पैथालोजी सेंटर संचालक लोगों की जिंदगी से खेल रहे हैं। सीएमओ की ओर से नोटिस पर नोटिस दी जा रही है, लेकिन इसको भी संज्ञान नहीं ले रहे हैं। शहरी क्षेत्र में निजी अस्पताल से निकलने वाले बायो मेडिकल कचरा शहरवासियों का सेहत बिगाड़ रहा है।

निजी अस्पतालों में बायो वेस्ट मैनेजमेंट (संक्रमित कचरा प्रबंधन) को लेकर गंभीरता नहीं बरती जा रही है। कचरे को नाले में दैनिक कूड़ों के ढेर में डाला जा रहा है। सड़क पर जगह–जगह मेडिकल कचरे बिखरे पड़े हैं। दरअसल शहर में 600 से अधिक निजी क्लीनिक व अस्पताल संग लैब संचालित हो रहे हैं। यहां बायो वेस्ट निस्तारण को लेकर कोई प्रबंध नहीं है।

जबकि बायो मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट अधिनियम 2016 में मेडिकल वेस्ट के निस्तारण का प्रावधान है। इसके तहत अस्पताल व नर्सिंग होम से बायो मेडिकल वेस्ट के निस्तारण के लिए प्रोसेसिंग प्लांट को कचरा देना है। निजी अस्पताल व लैब राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आदेश का उल्लंघन कर कचरा जहां–तहां फेंक रहे हैं।

भजन के साथ निरंतर संत सेवा गौ सेवा विद्यार्थी सेवा करते रहते थे गुरुदेव भगवान –स्वामी वासुदेवाचार्य

संवाददाता–अयोध्या। धर्मनगरी अयोध्या के रामानुजीय परंपरा की शीर्ष पीठ कोशलेश सदन के संस्थापक आचार्य स्वामी रामनारायणाचार्य महाराज को संतों ने श्रद्धापूर्वक याद किया। मौका था उनके 39 वें पुण्यतिथि महोत्सव का। इस अवसर पर मंगलवार को मंदिर प्रांगण में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें रामनगरी के विशिष्ट संत–महंत और धर्माचार्यों ने पूर्वाचार्य की प्रतिमा पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

संतों ने संस्थापक आचार्य के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश भी डाला। कोशलेश सदन के वर्तमान पीठाधीश्वर जगद्गुरू स्वामी वासुदेवाचार्य विद्याभास्कर महाराज ने कहा कि उनके गुरूदेव अप्रतिम प्रतिभा के धनी संत थे। उनकी गणना सिद्ध संतों में होती रही है। उनका व्यक्तित्व बड़ा ही उदार था। रामनगरी के सभी संत–महंत उनका आदरपूर्वक सम्मान करते थे। अपने जीवनकाल में उन्होंने आश्रम का सर्वांगीण विकास किया। जीवन पर्यंत मठ के उत्तरोत्तर समृद्धि में लगे रहे। आज उन्हीं की देन है कि आश्रम अयोध्यानगरी के प्रमुखतम पीठों में से एक है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।